RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानंद जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:216 ता. 11 फरवरी 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## लोकसभा में बोले पीएम मोदी, '5 साल रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का रहा'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के बजट सत्र के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 17वीं लोकसभा में कई बड़े फैसले हुए। यह पांच साल देश में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के थे।

उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने कहा कि 17वीं लोकसभा में 5 वर्ष देश सेवा में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय किए गए और अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए भी सबने अपने सामर्थ्य से देश को उचित दिशा देने का प्रयास किया। पीएम मोदी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की तारीफ करते हुए कहा, 'हर पल आपका चेहरा हमेशा मुस्कान से भरा रहता है, चाहे कुछ भी हो जाए उस मुस्कान में कमी नहीं आई।' उन्होंने कहा, ÷संसद का नया भवन हो इसकी चर्चा सदन में होती थी, लेकिन इस पर निर्णय नहीं होता था। सभापति महोदय आपके नेतृत्व में इस पर विचार और निर्णय हुआ। इसके बाद अब देश को नया संसद भवन मिला है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं माननीय सांसदों का भी इस बात के लिए आभार व्यक्त करता हूं कि संकट काल में देश की आवश्यकताओं को देखते हुए सांसद निधि छोड़ने का प्रस्ताव जब मैंने माननीय सांसदों के सामने रखा, तो एक पल के विलंब के बिना सभी सांसदों ने इस प्रस्ताव को मान लिया।'

## किसानों का सरकार को अल्टीमेटम

### कल तक मांगें नहीं तो फिर करेंगे मार्च

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** नोएडा प्राधिकरण से अपनी जमीनों का मुआवजा मांग रहे किसानों ने सरकार को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है। भारतीय किसान परिषद के नेता सुखवीर खलीफा ने शनिवार को कहा कि अगर 12 फरवरी तक उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे फिर प्रदर्शन करेंगे। इससे पहले किसानों ने 8 फरवरी को दिल्ली बॉर्डर पर प्रदर्शन किया था। सुखवीर खलीफा ने कहा कि 8 फरवरी को जब हमने दिल्ली तक मार्च निकाला था, तो नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने हमें भरोसा दिलाया था कि 12 फरवरी तक हमारी मांगों को लेकर कमेटी गठित कर दी जाएगी। हमने उनकी बात इस शर्त पर मानी थी कि कमेटी के गठन में जरा भी देरी हुई तो हम दिल्ली तक मार्च फिर से शुरू करेंगे।

दरअसल, 1997 से 2014 के बीच 81 गावों से नोएडा शहर को बसाने के लिए जमीनें अधिग्रहित हुई थीं। इस दौरान सिर्फ 16 गांव के किसानों को मुआवजा और 5 प्रतिशत विकसित प्लॉट दिए गए। बाकी गावों के किसानों ने कहा कि उन्हें मुआवजा नहीं मिला। 2019 से इस मामले को लेकर नोएडा के कई किसान प्राधिकरण के खिलाफ प्रदर्शन करते आ रहे हैं। गुरुवार को किसानों ने दिल्ली पहुंचने का फैसला किया था। लेकिन उन्हें नोएडा-दिल्ली चिल्ला बॉर्डर पर रोक दिया गया। यहां 5 घंटे के प्रदर्शन के बाद उन्हें कमेटी बनाने का आश्वसन दिया गया था। जिसके बाद वे वापस लौट गए।

#### पैरामिलिट्री फोर्स की 50 कंपनियां तैनात

किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए हरियाणा पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स की 50 कंपनियां तैनात कर दी हैं. अधिकारियों ने बताया कि किसी को भी शांति और सद्भाव को बिगाडने की अनुमति नहीं दी जाएगी. किसानों से कहा है कि वह इस प्रदर्शन में बिना अनुमति के शामिल नहीं हों. साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है.

## राममंदिर के विरोधी 'हवन में हड्डी न डालें' : शाह

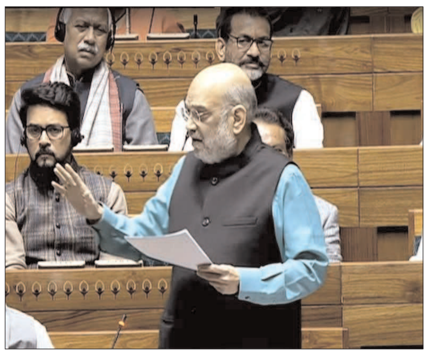

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण का विरोध करने वालों को 'नसीहत' दी कि वे 'हवन में हड्डी' न डालें और भारत के बहुसंख्यक समाज की भावनाओं का ख्याल कर इसका स्वागत करें एवं जुड़ें, उसी में देश का भला है।

श्री शाह ने लोकसभा में नियम 193 के तहत श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर चर्चा में भाग लेते हुये ये नसीहत दी और कहा कि भारत में पहली बार एक संन्यासी शासक ने 11 दिन की कठोर तपश्चर्या करके श्री रामलला की प्राण- प्रतिष्ठा की तथा आध्यात्मिक, भक्ति की चेतना जागृत करके भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का शुभारंभ किया है।

गृह मंत्री ने कहा कि वह आज अपने मन की बात और देश की जनता की आवाज को इस सदन के सामने रखना चाहते हैं। जो वर्षों से अदालत के कागजों में दबी हुई थी। श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद उसे आवाज भी मिली और अभिव्यक्ति भी मिली।

उन्होंने कहा, ''22 जनवरी का दिन सहस्त्रों वर्षों के लिये ऐतिहासिक बन गया है, जो इतिहास और ऐतिहासिक पलों को नहीं पहचानते, वह अपने अस्तित्व को खो देते हैं। 22 जनवरी का दिन 1528 में शुरू हुये एक संघर्ष और एक आंदोलन के अंत का दिन है। वर्ष 1528 से शुरू हुई न्याय की लड़ाई इस दिन समाप्त हुयी। 22 जनवरी का दिन करोड़ों भक्तों की आशा, आकांक्षा और सिद्धि का दिन है। ये दिन समग्र भारत की आध्यात्मिक चेतना का दिन बन चुका है। 22 जनवरी का दिन महान भारत की यात्रा की शुरुआत का दिन है। ये दिन मां भारती विश्व गुरु के मार्ग पर ले जाने को प्रशस्त करने वाला दिन है।÷

श्री शाह ने कहा कि इस देश की कल्पना राम और रामचरितमानस के बिना नहीं की जा सकती। राम का चरित्र और राम इस देश के जनमानस का प्राण है। जो राम के बिना भारत की कल्पना करते हैं, वो भारत को नहीं जानते। राम प्रतीक हैं कि करोड़ों लोगों के लिए आदर्श जीवन कैसे जीना चाहिए, इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और रामायण को अलग करके देखा ही नहीं जा सकता। कई भाषाओं, कई प्रदेशों और कई प्रकार के धर्मों में भी रामायण का जिक्र, रामायण का अनुवाद और रामायण की परंपराओं को आधार बनाने का काम हुआ है।

## चौथी बार अनशन पर बैठे मनोज जरांग

मुंबई। मराठा आरक्षण का चेहरा बनकर सामने आए एक्टिविस्ट मनोज जरांगे पाटिल चौथी बार अनशन पर बैठ गए हैं। जालना जिले के अंतरावलीसाठी गांव में उन्होंने अनशन शुरू कर दिया है। इसके पहले मनोज ने कहा कि आज के बाद वे किसी की बात नहीं सुनेंगे। जरांगे ने पिछले हफ्ते ही यह स्पष्ट कर दिया था कि अगर अध्यादेश लागू नहीं हुआ तो वह इस बार सख्त अनशन करेंगे। बता दें कि जारांगे पाटिल की मांग है कि 'सझसोराय' को लेकर और अधिक स्पष्टता लाई जानी चाहिए. मराठा आरक्षण के मुद्दे और उस पर काम को लेकर मनोज जारांगे पाटिल चौथी बार भूख हड़ताल पर हैं. इससे पहले भी मराठा आरक्षण के लिए मनोज जारांगे पाटिल ने 9 अगस्त, 2023 से भूख हड़ताल शुरू किया था. अनशन का पहला चरण 17 दिनों तक चला था. उस समय सरकार ने 40 दिन का समय मांगा था. हालांकि, जारांगे पाटिल 25 अक्टूबर से फिर से भूख हड़ताल पर बैठ गए, उनका आरोप था कि सरकार ने दी गई अवधि के भीतर कुछ नहीं किया. यह उपवास आठ दिनों तक चला. उस वक्त सरकार ने दो महीने का वक्त लिया था. इन दो महीनों में भी सरकार ने मराठा आरक्षण के लिए कुछ नहीं किया.

## हल्द्वानी में तीसरे दिन भी कर्फ्यू

हल्द्वानी। हल्द्वानी में हिंसा के तीसरे दिन यानी शनिवार को भी कर्फ्यू जारी है। यहां स्कूल-कॉलेज बंद हैं। अफवाहों को रोकने के लिए प्रशासन ने इंटरनेट सेवा को बंद कर दिया है। हल्द्वानी के बाद रामनगर में भी धारा 144 लागू करके इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। इस बीच, दंगा ग्रस्त इलाके बनभूलपुरा को अर्द्धसैनिक बलों के हवाले कर दिया गया है। 2 किमी के इस दायरे में रहने वाली करीब 70 हजार की आबादी पूरी तरह से घरों में कैद हो गई है। पुलिस ने 18 लोगों को नामजद करते हुए 5000 उपद्रवियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। दंगे में 5 लोगों की मौत हुई है। एक युवक की मौत बरेली के निजी अस्पताल में होने की बात कही जा रही है। लेकिन प्रशासन इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है।

## लोकसभा चुनाव से पहले लागू होगा सीएए : अमित शाह

नई दिल्ली ।एक तरफ लोकसभा चुनाव की तैयारी में भारतीय जनता पार्टी पूरे जोश के साथ मैदान में उतरने का मन बना रही है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा एलान करते हुए कह दिया, कि लोकसभा चुनाव से पहले ही पूरे देश में सीएए यानी नागरिकता संसोधन अधिनियम लागू कर दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने यह बात ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट के दौरान कही। समिट में बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, कि मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि सीएए किसी भी व्यक्ति की नागरिकता को नहीं छीनेगा। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह वादा मूल रूप से तो कांग्रेस ने ही उन लोगों से किया था। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा, हमारे मुस्लिम भाइयों को सीएए को लेकर गुमराह करने का काम किया जा रहा है और भड़काया जा रहा है। गौरतलब है कि विगत वर्ष भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि सीएए को लागू होने से कोई रोक नहीं सकता है।

## भारत-म्यांमार बॉर्डर सील करने के विरोध में पूर्वोत्तर राज्य

गुवाहाटी ।देश के चार राज्यों से लगी म्यांमार सीमा सील करने के केंद्र के फैसले को लेकर पहाड़ और घाटी दो हिस्सों में बंट गए हैं। घाटी के लोग खुश हैं। वहीं, पहाड़ी विरोध में हैं। यहां तक कि मिजोरम और नगालैंड के मुख्यमंत्री भी विरोध में उतर आए हैं। मैतेई समुदाय की संस्था कोकोमी सहित घाटी के संगठनों का कहना है कि इससे शरारती तत्वों की आवाजाही रुकेगी और सीमाएं सुरक्षित होंगी। कोकोमी प्रवक्ता खुराइजम अथौउबा ने कहा कि मणिपुर में चल रहे हिंसक संकट के मूल में म्यांमार से यहां हो रहा पलायन है। दूसरी तरफ, मिजोरम के मुख्यमंत्री लल्दुहोमा का कहना है कि सीमा के दोनों तरफ रहने वाले मिजो-जो-चिन समुदाय को क्षेत्र में आने-जाने से नहीं रोका जा सकता। वे अंग्रेजों के समय एकतरफा तरीके से निर्धारित की गईं सीमाओं को नहीं मानते। इस बीच नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने भी कहा कि जहां तक नगालैंड का सवाल है तो सीमा के दोनों तरफ नगा रहते हैं। केंद्र को फैसले पर अमल करने से पहले एक सर्वमान्य फॉर्मूला बनाना चाहिए।

## क्या यह सरकार सिर्फ एक मजहब की है : ओवैसी

नई दिल्ली। बजट सत्र के अंतिम दिन शनिवार को लोकसभा में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्रदीन ओवैसी ने सवालिया लहजे में कहा कि मोदी सरकार क्या सिर्फ एक मजहब की सरकार है? या पूरे देश धर्मों को मानने वाली सरकार है? संसद में बजट सत्र के अंतिम दिन राम मंदिर निर्माण और राम लला प्राण प्रतिष्ठा के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की गई। इसी दौरान सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में अपनी बात रखी। सदन में अपनी बात रखने के दौरान उन्होंने बाबरी मस्जिद जिंदाबाद के नारे भी लगाए। इसी बीच मोदी सरकार से सवाल करते हुए उन्होंने कहा, कि मोदी सरकार सिर्फ एक मजहब की सरकार है? या देश के सभी धर्मों को मानने वाली सरकार है? ओवैसी ने आगे कहा, कि मेरा ईमान कहता है कि जिस जगह पर मस्जिद थी, वहां बाबरी मस्जिद है और रहेगी।

## दलित, ओबीसी और आदिवासी सरकार की गरीब कल्याण की योजनाओं के सबसे बड़े लाभार्थी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने को अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि गरीब कल्याण की हर योजना के सबसे बड़े लाभार्थी दलित, ओबीसी और आदिवासी परिवार ही हैं। वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत विकसित गुजरात' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान पूरे गुजरात में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) और अन्य आवास योजनाओं के तहत निर्मित 1.3 लाख से अधिक घरों का उद्घाटन और भूमि पूजन किया। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आवास योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी का सबसे अधिक लाभ अगर किसी को हुआ है तो दलित, ओबीसी और आदिवासी परिवारों को हुआ है। गरीब, युवा, किसान और महिलाओं को विकसित भारत का स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि इनका सशक्तीकरण हमारी प्रतिबद्धता है। देश में हर किसी को घर देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी गरीब के लिए उसका अपना घर उसके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी होता है लेकिन समय के साथ परिवार बढ़ रहे हैं, इसलिए नए घरों की जरूरत भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हर किसी के पास पक्की छत हो, अपना खुद का घर हो। प्रधानमंत्री ने पीएमएवाई के तहत आवास प्राप्त करने वालों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब ऐसे काम होते हैं, तभी देश कहता है 'मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की भी गारंटी।'

## जनजातीय जीवनशैली जलवायु परिवर्तन का समाधान : राष्ट्रपति

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि जनजातीय समुदाय की जीवनशैली ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वैश्विक समस्या का समाधान प्रदान करती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 'आदि महोत्सव' का उद्घाटन करने के बाद कहा जनजातीय समुदायों से प्रकृति के साथ सद्भाव से रहना सीखने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने का प्रयास कर रहा है, तब जनजातीय समुदाय की जीवनशैली और भी अनुकरणीय हो जाती है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की अंधी दौड़ ने धरती मां और प्रकृति को बहुत नुकसान पहुंचाया है। अंधाधुंध विकास की होड़ में एक ऐसा वातावरण बना दिया गया, जिसमें यह सोच उत्पन्न हुई कि बिना प्रकृति को नुकसान पहुंचाए प्रगति संभव ही नहीं है। हालांकि सच्चाई इसके विपरीत है। दुनिया भर में जनजातीय समुदाय सदियों से प्रकृति के साथ सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में रह रहे हैं। हमारे जनजातीय भाई-बहन अपने जीवन के हर पहलू में आसपास के परिवेश, पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं का ध्यान रखते रहे हैं। हमें उनकी जीवनशैली से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा देश विविधताओं से परिपूर्ण है। इस 'विविधता में एकता' का भाव हमेशा मौजूद रहा है। इस भावना का कारण हमारी एक-दूसरे की परंपराओं, वेश-भूषा, खान-पान और भाषा को जानने, समझने और अपनाने का उत्साह है। एक-दूसरे के प्रति सम्मान की यही सम्मान का भाव हमारी एकता के मूल में है। आदि महोत्सव में विभिन्न राज्यों की जनजातीय संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम देखकर वह बहुत खुश हुईं। उन्होंने कहा कि यह देश के कोने-कोने के आदिवासी भाई-बहनों की जीवनशैली, संगीत, कला और खानपान से परिचित होने का अच्छा अवसर है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस महोत्सव के दौरान लोगों को आदिवासी समाज के जीवन के कई पहलुओं को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि आधुनिक युग की एक महत्वपूर्ण देन प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है। यह ठीक नहीं है कि हमारा जनजातीय समुदाय आधुनिक विकास के लाभ से वंचित रहे। उनके योगदान ने देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि हम प्रौद्योगिकी का उपयोग समाज के सभी लोगों, विशेषकर वंचित वर्गों के सतत विकास और सर्वांगीण विकास के लिए करें। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के पास पारंपरिक ज्ञान का अमूल्य भंडार है। यह ज्ञान दशकों से पारंपरिक रूप से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होता रहा है। हालांकि अब कई पारंपरिक कौशल ख़त्म होते जा रहे हैं। यह ज्ञान परंपरा लुप्त होने के कगार पर है। जिस तरह कई वनस्पतियां और जीव-जंतु विलुप्त हो रहे हैं, उसी तरह पारंपरिक ज्ञान भी हमारी सामूहिक स्मृति से गायब हो रहा है। हमारा प्रयास यह होना चाहिए कि हम इस अमूल्य निधि को संचित करें और आज की आवश्यकता के अनुसार इसका उचित उपयोग भी करें। इस प्रयास में प्रौद्योगिकी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

## चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का उल्लेख राज्यसभा में करने पर भारी शोरगुल

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** नई दिल्ली, 10 फरवरी (वेब वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न देने का उल्लेख करने पर राज्यसभा में शनिवार को भारी शोरगुल हुआ।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सुबह सदन में आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाने के बाद राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी का नाम पुकारा। श्री चौधरी ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने का उल्लेख करते हुए कहा कि चौधरी साहब को भारत रत्न देने से गांव-गांव में दिवाली मनाई जा रही है और देश भर के किसानों में खुशी की लहर है। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने उन पर टिप्पणियां करनी आरंभ कर दी। कांग्रेस के जय राम रमेश ने श्री जयंत चौधरी पर एक टिप्पणी की। इससे सदन में शोरगुल होने लगा।

सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि श्री जयंत चौधरी को किस नियम के तहत बोलने की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने सभापति पर मनमानी तरीके से सदन चलाने के आप भी लगाए। इससे सभापति और श्री खड़गे के बीच की बहस हुई।

केंद्रीय मंत्री परसोत्तम रुपाला ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को सम्मान देना कांग्रेस पचा नहीं पा रही है। उसे किसान पुत्र का सम्मान रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता सभापति पर उंगली उठा रहे हैं। श्री रूपाल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह का सम्मान देश के किसानों का सम्मान है लेकिन चौधरी चरण सिंह की सरकार गिराने वाली कांग्रेस को यह पसंद नहीं आ रहा है।

सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह, श्री पीवी नरसिम्हा राव और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित करना गर्व की बात है। भारतीय को इस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी सिर्फ पी वी नरसिम्हा राव को सम्मान नहीं दिया।

श्री धनखड़ ने कहा कि सदन में किसानों का अपमान हो रहा है। यह ठीक नहीं है। उन्होंने जय राम रमेश से कहा कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है। एक अन्य सदस्य को संबोधित करते हुए कहा कि आप कमांडो की तरह बोल रहे हैं।

इसके बाद उन्होंने श्री जयंत चौधरी को फिर से बोलने की अनुमति दी। श्री जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह चुनाव और चुनावी गठजोड़ की राजनीति से परे हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने पर ग्रामीण युवा, किसान और मजदूर वर्ग को प्रेरणा मिलेगी।

तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदू शेखर राय ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने पर सदन में विवाद होना दुखद है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को किसी भी मुद्दे पर बोलने की अनुमति देना सभापति का विशेषाधिकार है।

## अब ईडी के निशाने पर आए समीर वानखेड़े, मनी लॉन्ड्रिंग का मामला हुआ दर्ज

मुंबई। कभी फिल्म अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को नारकोटिक्स के मामले में दबोचने वाले वाले मुंबई नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े की मुश्किल बढ़ती जा रही हैं। ईडी ने समीर वानखेड़े के अलावा अगले हफ्ते नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के तीन अधिकारियों को तलब किया है, जिसमें सतर्कता अधीक्षक कपिल भी शामिल हैं. इन अधिकारियों से मुंबई कार्यालय में पूछताछ की जाएगी. साथ ही साथ ईडी ने कुछ लोगों से पूछताछ भी की है। अब प्रवर्तन निदेशालय की टीम उन पर एक्शन के मूड में दिखाई दे रही है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसी उन्हें जल्द पूछताछ के लिए बुला सकती है। ईडी ने सीबीआई की ओर से दर्ज भ्रष्टाचार की एफआईआर के आधार पर आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि अक्टूबर 2021 में कॉर्डेलिया क्रूज जहाज पर ड्रग्स की जब्ती की जांच के बाद वानखेड़े सीबीआई के निशाने पर आ गए थे और जांच के मामले ने तूल पकड़ लिया था। कथित ड्रग्स जब्ती मामले में बॉलीवुड के 'बादशाह' शाहरुख खान के बेटे आर्यन सहित अन्य को गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने मई 2023 में समीर वानखेड़े और चार अन्य लोगों के खिलाफ ड्रग्स मामले में आर्यन खान को फंसाने के एवज में कथित रूप से 25 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। आरोप था कि 50 लाख रुपए पहली किस्त के रूप में लिए थे। उस समय सीबीआई ने 29 जगहों पर रेड की थी. समीर वानखेड़े ने एफआईआर रद्द करने और किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा की मांग को लेकर हाईकोर्ट का रुख किया था। साल 2021 कॉर्डेलिया क्रूज ड्रग कांड और भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद एनसीबी ने एक विशेष जांच दल (एसईटी) का गठन किया था, जिसमें वानखेड़े के नेतृत्व वाली टीम द्वारा खामियां पाई गई थीं। सीबीआई ने एसईटी की रिपोर्ट के आधार पर वानखेड़े और अन्य के खिलाफ भ्रष्टाचार और जबरन वसूली का मामला दर्ज किया था। इसके बाद एनसीबी ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन और पांच अन्य को क्लीन चिट दे दी थी और उन्हें मामले से बरी कर दिया था।

## मिथुन चक्रवर्ती के सीने में उठा दर्द, प्राइवेट अस्पताल में किया भर्ती

कोलकाता। बॉलीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को अचानक हुए सीने में दर्द के कारण एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्हें सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत होने के बाद आज शनिवार को कोलकाता के प्राइवेट अस्पताल की आपातकालीन यूनिट में ले जाया गया। बताया जाता है कि अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की तबीयत ठीक नहीं थी, उन्हें सीने में तेज दर्द और बैचेनी की शिकायत थी। इस कारण उन्हें प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है। उनके स्वास्थ्य से संबंधित अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ अभिनेता को अस्पताल में भर्ती किए जाने की खबर से उनके फैंस काफी चिंतित हैं और उनकी सेहत ठीक होने की दुआएं कर रहे हैं। खास बात यह है कि अभी तक अभिनेता मिथुन दा के परिवार की ओर से उनके स्वास्थ्य को लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है। बताया जा रहा है कि 73 वर्षीय अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को आज शनिवार सुबह करीब 10 बजे सीने में तेज दर्द उठा, इसी के साथ बेचैनी भी महसूस हुई। तबीयत बिगड़ती देख अभिनेता को तुरंत ही एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। यहां आपको बतलाते चलें कि हाल ही में मिथुन दा को सिनेमा जगत में उनके योगदान के लिए देश कि प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

## असम में एचआईवी एड्स का बढ़ रहा खतरा, स्वास्थ्य मंत्री ने उठाया मुद्दा

दिसपुर। असम में एचआईवी एड्स का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसे लेकर असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने विधानसभा में मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य में एचआईवी-एड्स के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिसका मुख्य कारण नशीली दवाओं का सेवन है। स्वास्थ्य मंत्री महंत ने कहा कि साल 2023 में दिसंबर तक 9,90,372 परीक्षण किए गए, जिनमें से 5,791 सकारात्मक पाए गए। असम के स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार गैर सरकारी संगठनों की मदद से एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ काम कर रही है। हालांकि, रोगियों की पहचान को गोपनीय रखने के लिए उनके विवरण का खुलासा नहीं किया गया। विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की गई। कांग्रेस विधायक सिबामोनी बोरा ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राज्य में एचआईवी यानी ह्यूमन इम्युनोडेफिशिएंसी वायरस रोगियों की व्यापकता का मामला उठाया और दावा किया कि ताजा संक्रमण में वृद्धि हुई है। उन्होंने दावा किया कि करीब 50 फीसदी ड्रग पेडलर खुद संक्रमित हैं। बोरा ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने कोविड-19 महामारी फैलने के बाद से एचआईवी के बारे में जागरूकता फैलाने पर ध्यान देना बंद कर दिया है जिसके कारण केसिस में वृद्धि देखी गई है। इसी बीच बोरा के आरोपों का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री महंत ने अपने जवाब में कहा कि राज्य में 2002 से 2023 के बीच किए गए 89,84,519 परीक्षणों में से 31,729 एचआईवी-एड्स के मामले सामने आए हैं। हालां ?कि राज्य सरकार सभी सरकारी और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के साथ-साथ जेलों जैसे संवेदनशील जगहों पर परीक्षण, परामर्श और उपचार के लिए सभी सुविधाएं दे रही है।

## बिहार के बीडीओ की फिसली जुबान, मां सरस्वती को बताया भौजाई

जमुई। बिहार के एक पदाधिकारी ने मां सरस्वती को मां की जगह भौजाई बताकर बवाल खड़ा कर दिया है। लोग उनसे माफी मांगने पर अड़े हुए हैं। दरअसल, जमुई में एक बीडीओ ने मां सरस्वती को लेकर बैठक के दौरान एक विवादित बयान दिया है। जमुई जिला के झाझा प्रखंड के थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक के दौरान बीडीओ रवि कुमार की जुबान फिसली और उन्होंने मां सरस्वती को लेकर एक विवादित बयान दे दिया। दौरान उन्होंने लोगों को सरस्वती पूजा को लेकर एहतियात बरतने का निर्देश तो दिया, लेकिन वह मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ गए। उन्होंने कहा कि माता सरस्वती को लोग माता कम और भाभी के रूप में देखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने मां सरस्वती को भौजाई बना लिया है। इस बयान के साथ उनका जब यह वीडियो सामने आया तो आलोचना का दौर शुरू हो गया। लोगों ने कहा कि ऐसे बीडीओ को अपनी गलती के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। हालांकि बाद में जब इसके बारे में बीडीओ रवि कुमार से पूछा गया तो उन्होंने सफाई देते हुए यह कहा कि उनकी भावनाएं ऐसी नहीं थी। वह भी एक हिंदूवादी व्यक्ति हैं और सभी देवी-देवताओं का समान रूप से सम्मान करते हैं। वह बस यह बताना चाह रहे थे कि आज के समाज में लोग मां सरस्वती की पूजा के नाम पर अश्लील हरकतें करते हैं। बस इसी के लिए लोगों को समझाने के लिए उन्होंने इसका उदाहरण दिया था। इस बारे में जमुई डीएम राकेश कुमार ने कहा कि वीडियो के द्वारा कही गई बात सही नहीं है। इस बारे में उनसे स्पष्टीकरण की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीडीओ को मामले में जवाब देना पड़ेगा, हो सकता है आगे कार्रवाई भी की जा सकती है।

## संजय राउत ने भाजपा को बताया गुंडा, दो घटनाओं का किया जिक्र

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत आज दो घटनाओं का जिक्र करते हुए भाजपा को सीधे तौर पर गुंडा कह दिया। राउत ने अपने एक्स पर आरोप लगाया और पहली घटना का जिक्र करते हुए लिखा है कि महाविकास अघाढ़ी की महिला कार्यकर्ताओं को बीजेपी के गुंडों ने पीटा है। उन्होंने कहा कि इन महिला कार्यकर्ताओं पर अंडे, पत्थर और ईंटें फेंक गई हैं। संजय राउत ने अपनी एक्स पोस्ट में लिखा, कई एमवीए महिला कार्यकर्ताओं को भाजपा के गुंडों ने पीटा, उन पर अंडे, पत्थर, ईंटें फेंकी और पुणे पुलिस दर्शक बनी रही। संजय राउत ने अपनी पोस्ट में दूसरी घटना घटना का जिक्र करते हुए आगे लिखा, वरिष्ठ पत्रकार निखिल वागले की कार तोड़ी गई, कार पर स्याही और अंडे फेंके गए... पुणे में भाजपा द्वारा लोकतंत्र की हत्या का बेशर्म प्रयास... एमवीए डरेगा नहीं, शर्म करो देवेन्द्र फडणवीस, आप अपने कैडर को महाराष्ट्र की असहाय बेटियों को नुकसान पहुंचाने और घायल करने का आदेश दे रहे हैं... महाराष्ट्र आपको माफ नहीं करेगा।

## जगदीप धनखड़ ने की जयराम रमेश की खिंचाई, कहा:
# वह राज्यसभा में रहने के योग्य नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के खिलाफ टिप्पणी के लिए जयराम रमेश की खिंचाई करते हुए कहा कि कांग्रेस सदस्य अपने कदाचार के लिए राज्यसभा में रहने के योग्य नहीं हैं। जयंत सिंह को उनके दादा और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने के मुद्दे पर सदन में बोलने की अनुमति देने के धनखड़ के फैसले पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जिसके बाद विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। इस दौरान रमेश ने कुछ खास टिप्पणियां कीं। हालांकि हंगामे के कारण वह सुना नहीं जा सकीं।

सभापति ने जयंत के खिलाफ टिप्पणी को लेकर रमेश को चेतावनी देते हुए कहा, ''मैंने सुना कि जयराम रमेश ने जयंत से क्या कहा... आप (रमेश) ऐसे व्यक्ति हैं जो श्मशान घाट पर उत्सव मना सकते हैं।'' धनखड़ ने कहा, ''यह तथ्य है कि आप (रमेश) इस दुर्व्यवहार के कारण इस सदन का हिस्सा बनने के लायक नहीं हैं।'' जयंत को सदन में बोलने का मौका दिए जाने का कांग्रेस सदस्यों ने जब विरोध किया तो धनखड़ ने सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे को अपनी पार्टी कांग्रेस की तरफ से बोलने की अनुमति दी। खरगे ने कहा कि जिन शख्सियतों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया उन पर कोई वाद-विवाद नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं सभी को सलाम करता हूं। लेकिन यदि कोई सदस्य मुद्दा उठाना चाहता है तो आप (अध्यक्ष) पूछते हैं किस नियम के तहत। (मैं जानना चाहता हूं) किस नियम के तहत उन्हें (जयंत) बोलने की अनुमति दी गई है।'' उन्होंने कहा, ''हमें भी अनुमति दीजिए। एक तरफ आप नियमों की बात करते हैं... आपके पास विशेषाधिकार है। उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए न कि जब आप चाहें तब।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने सभापति पर नियमों का पालन नहीं करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर भारत रत्न पर चर्चा सदन के एजेंडे में शामिल की जाती तो हर कोई भाग लेता। धनखड़ ने खरगे द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर नाखुशी जताई।

## बीजेपी को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड से लगभग 1300 करोड़ रुपये मिले

नयी दिल्ली। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से लगभग 1300 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। यह राशि इसी अवधि में इस माध्यम (चुनावी बॉन्ड) से विपक्षी दल कांग्रेस को प्राप्त धनराशि से सात गुना अधिक है। निर्वाचन आयोग को सौंपी गई पार्टी की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में भाजपा को कुल 2120 करोड़ रुपये मिले जिसमें से 61 प्रतिशत चुनावी बॉन्ड से प्राप्त हुए। वित्त वर्ष 2021-22 में पार्टी को कुल 1775 करोड़ रुपये का चंदा प्राप्त हुआ था। वर्ष 2022-23 में पार्टी की कुल आय 2360.8 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 1917 करोड़ रुपये थी। दूसरी ओर, कांग्रेस को चुनावी बॉन्ड के जरिये 171 करोड़ रुपये की आय हुई, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 236 करोड़ रुपये से कम थी। भाजपा और कांग्रेस मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल हैं। राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) को 2021-22 में चुनावी बॉन्ड के जरिए 3.2 करोड़ रुपये की आय हुई थी। वर्ष 2022-23 में उसे इन बॉन्ड के जरिये कोई धनराशि नहीं मिली थी। एक अन्य राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त पार्टी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) को 2022-23 में चुनावी बॉन्ड के माध्यम से 34 करोड़ रुपये मिले, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 10 गुना अधिक राशि है। भाजपा को पिछले वित्त वर्ष में ब्याज के तौर पर 237 करोड़ रुपये की आय हुई जोकि वर्ष 2021-22 के मुकाबले 135 करोड़ रुपये अधिक है। 'चुनाव और सामान्य प्रचार' पर अपने कुल खर्च में से, भाजपा ने विमान और हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल के लिए 78.2 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जो 2021-22 में खर्च हुए 117.4 करोड़ रुपये से कम है।

# भगवान राम को लाने वाले धर्म और राम का अपमान कर रहे हैं : अखिलेश यादव

**लखनऊ (एजेंसी)।** समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को विधानसभा में प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि जो लोग कहते हैं कि वे राम को लेकर आए हैं, वे भगवान श्रीराम का अपमान करते हैं और ऐसा कहकर आप धर्म और भगवान राम का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अपमान बंद कर देना चाहिए। यादव ने कहा, यह बात कही गयी कि हमने प्रभु राम का नाम नहीं लिया लेकिन जब भगवान राम दिल में बसते हो तो फिर नाम लेने की क्या जरूरत हैं? राम पहले भी थे, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे। जब हम आप नहीं थे, प्रभु राम तब भी थे और जब हम आप नहीं रहेंगे प्रभु राम तब भी रहेंगे। इसलिए ऐसा कहना कि आप प्रभु राम को लाये हैं, ऐसा कह कर आप प्रभु राम का अपमान तो कर ही रहे हैं, साथ ही साथ धर्म को भी अपमानित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, याद रखिए प्रभु राम अजर हैं, अमर हैं और सबके हैं। प्रभु राम के नाम पर राजनीति करना बंद करिए।

यादव ने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण से यह मालूम हुआ कि सरकार ने अयोध्या को संजाने संवारने में 31 हजार करोड़ रूपयें खर्च किये। बजट पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार हर बार सबसे बड़ा बजट पेश करती है लेकिन उसे खर्च नहीं कर पाती। सरकार ने जितना आवंटन किया उस पर खर्च कितना हुआ है, इसकी जानकारी नहीं देती। अखिलेश ने अलग-अलग विभागों को पिछले वर्ष आवंटित किए गए बजट और उस पर हुए खर्च का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राज्य का बजट सात लाख करोड़ का हो या आठ लाख करोड़ का लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा कि प्रदेश की 90 फीसदी जनता के लिए उसमें क्या है? भाजपा की नीति आम जनता के लिए नही हैं।

प्रदेश सरकार 10 प्रतिशत संपन्न लोगों के लिए 90 प्रतिशत बजट रखती हैं और 90 प्रतिशत जरूरतमंद जनता के लिए नाम मात्र दस फीसदी बजट। सपा प्रमुख ने कहा, उप्र की सरकार हमें आंकड़ों में उलझाती हैं। सीधी सीधी यह बात बतायें कि इस बजट से महंगाई से कितनी राहत मिलेगी। इस बजट में कितने युवाओं को रोजगार मिलेगा? अपराध और भ्रष्टाचार कम करने के उपायों पर कितना खर्च दिया जायेगा। मंदी और जीएसटी की मार झेल रहे काम, कारोबार और दुकानदारी को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रावधान हैं? क्या इस बजट में किसान की बोरी की चोरी रूकेगी या नहीं। फसल का सही दाम या किसानों की आय दोगुनी होगी या नहीं? अखिलेश ने पूछा, इस बजट में अच्छी दवाई और अच्छी पढ़ाई के लिए कितना आवंटन हैं? सरकार बताये कि बिजली के प्लांट के लिए कितना बजट हैं।

सरकार बतायें कि सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बजट हैं या नहीं? उन्होंने पूछा कि पिछले सात वर्ष में गड्ढे भरने के बहाने कितना पैसा खर्च किया गया हैं? उन्होंने बजट के बड़े आकार पर कहा, बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर, पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर...। यादव ने कहा कि भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन देश के 80 करोड़ लोग सरकारी राशन पर निर्भर हैं। वरिष्ठ नागरिकों को रेल किराये में छूट नहीं। युवाओं के लिए सेना में सिर्फ चार साल की अग्निवीर की भर्ती है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को विधानसभा में सात लाख 36 हजार 437 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था।

## महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर केन्द्र से हस्तक्षेप की मांग

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर केन्द्र से हस्तक्षेप की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के एक नेता की हत्या के बाद यहां माहौल बिगड़ा हुआ है। वहीं पार्टी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से महाराष्ट्र की बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। शुक्रवार को शाह को लिखे पत्र में चतुर्वेदी ने एक दिन पहले स्थानीय शिवसेना (यूबीटी) नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या और इस महीने की शुरुआत में पड़ोसी ठाणे जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक द्वारा एक पुलिस थाने में की गई गोलीबारी का जिक्र किया। राज्यसभा सदस्य ने पत्र में लिखा कि मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर तत्काल हस्तक्षेप करें, इससे पहले कि यहां के निवासियों को अपूरणीय क्षति हो।' सांसद ने कहा कि एक समय व्यापार और व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध मुंबई शहर अब बढ़ते अपराध, हिंसा और गोलीबारी की जद में आ रहा है।

निर्दोष और जन प्रतिनिधियों को डराने-धमकाने के लिए आग्नेयास्त्रों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से राज्य में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है। बता दें कि स्थानीय व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता मौरिस नोरोन्हा ने बृहस्पतिवार शाम फेसबुक लाइव के दौरान शिवसेना (यूबीटी) नेता विनोद घोसालकर के बेटे एवं पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर (40) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार बाद में नोरोन्हा ने आत्महत्या भी कर ली। इससे पहले दो फरवरी को भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने भूमि विवाद और राजनीतिक प्र?तिशोध में मुंबई के पास उल्हासनगर के एक पुलिस थाने में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक स्थानीय नेता को गोली मारकर घायल किया था।

## पंजाब की सभी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी आप, केजरीवाल की जनता से अपील- हमारे हाथों को करें मजबूत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि पंजाब में भारत के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी आम चुनाव में राज्य और चंडीगढ़ की सभी 14 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यह विपक्षी भारतीय गुट के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने कहा कि आप आने वाले दिनों में पंजाब की 13 और चंडीगढ़ की एक सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा करेगी।

केजरीवाल ने कहा कि आप जितना अधिक हमारे हाथों को मजबूत करेंगे, उतना अधिक काम हम कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी अगले 10-15 दिनों में इन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी। दो साल पहले आपने हमें आशीर्वाद दिया था। हमें 117 में से 92 सीटें दीं, आपने पंजाब में इतिहास रचा। मैं आपके पास हाथ जोड़कर एक और आशीर्वाद मांगने आया हूं। दो महीने में लोकसभा चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब से 13 और चंडीगढ़ से एक, कुल मिलाकर 14 सीटें हैं।

उन्होंने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि आपको इन सभी 14 सीटों पर आप को बहुमत के साथ जीत दिलानी है। अगले 10-15 दिनों में आप इन सभी 14 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर देगी।

# भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लक्ष्य को समय से पहले पूरा करने में सफल हो रहे राहुल गांधी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब बहुत तेजी से काम कर रहे हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव नजदीक है ऐसे में उनके लिए एक एक दिन काफी महत्वपूर्ण है। शायद यही कारण है कि जो यात्रा 20 मार्च को पूरी होनी थी, अब वह 10 दिन पहले ही पूरी हो सकती है। इसका मतलब यह नहीं है कि यात्रा आधी अधूरी होगी। मतलब ये है कि राहुल गांधी 70 के बजाय 100 किलोमीटर की यात्रा रोज पूरी कर ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी 11 के बजाय 6 से 7 दिन में ही यात्रा पूरी कर ली जाएगी। फिलहाल यात्रा से कुछ समय का ब्रेक लेकर राहुल दिल्ली आए हुए हैं।

कांग्रेस ने अनुमान लगाया था कि राहुल बस, कार, नौका के अलावा पैदल 70 किलोमीटर की यात्रा रोजाना करेंगे। लेकिन वह लगभग 100 किलोमीटर रोज तय कर ले रहे हैं। राहुल की तेजी के चलते ही यात्रा जल्दी पूरी हो रही है। साथ ही कांग्रेस भी चाहती है कि लोकसभा चुनाव के पहले यह यात्रा जल्दी खत्म हो और राहुल संगठन के फैसलों, टिकट बंटवारों, गठबन्धन की बातचीत के साथ चुनावी कैम्पेन में जुटें। इसके अलावा चुनाव की अधिसूचना भी जल्दी जारी होने वाली है. इसलिए राहुल की यात्रा 10 मार्च को ही मुम्बई में खत्म हो जाएगी। राहुल की यात्रा जल्दी खत्म हो रही है इसलिए 25 फरवरी के बजाय इंडिया गठजोड़ के बचे नेताओं की जॉइंट रैली अब 10 मार्च के करीब तय की जा रही है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। जो यात्रा 20 मार्च को पूरी होनी थी, अब वह 10 दिन पहले ही पूरी हो सकती है। आगामी लोकसभा चुनावों को देखते हुए यात्रा में बदलाव किए जाने की बात कही जा रही है। अभी यह यात्रा ओडिशा पहुंची है। राहुल गांधी यात्रा से कुछ समय का ब्रेक लेकर दिल्ली आ गए हैं। जानकारी मिली है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा आगामी 16 फरवरी को चंदौली के रास्ते उत्तर प्रदेश में दाखिल होगी। यह यात्रा उत्तर प्रदेश में करीब 11 दिन तक चलनी थी। 20 जिलों को राहुल ने कवर करना था। लेकिन बताया जा रहा है कि अब यूपी में राहुल की यात्रा 11 नहीं बल्कि 6 से 7 दिन की ही होगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी रायबरेली में इस यात्रा में शामिल होंगे। बता दें, राहुल की यह यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी।

# शरीफ प्रधानमंत्री बने तो भारत के लिए कितनी शराफत दिखा पाएंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान में भले ही पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बहुमत नहीं मिला है लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर उन्हीं को देखा जा रहा है। इसके लिए उन्होंने दावा भी पेश कर दिया है। ऐसे में एक सवाल यह भी है कि नवाज शरीफ ने भारत को लेकर कई तरह के आश्वासन दिए हैं। ऐसे में यदि नवाज पीएम बनते हैं तो क्या वे भारत से किए गए वादे पूरे कर पाएंगे। नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी उनका अच्छा तालमेल दिखाई दिया था। नवाज शरीफ की मां के निधन पर पीएम मोदी ने शोक संदेश भेजा था जिसमें उन्होंने मियां साहेब कहकर संबोधित किया था। 2015 में वह अचानक नवाज शरीफ से मिलने रावलपिंडी पहुंच गए थे।

हालांकि इसके बाद ही पठानकोट में आतंकी हमला हुआ और सुधार की उम्मीदें फिर खटाई में पड़ गईं। हालांकि इमरान खान की तुलना में शरीफ के साथ पीएम मोदी के संबंध अच्छे दिखाई दिए। इमरान खान के पीएम बनने के बाद इस तरह की सारी बातचीत खत्म हो गई। पीएम मोदी ने 2015 में ही तीन बार शरीफ से मुलाकात की थी। दोनों देशों में बातचीत की शुरुआत हो गई थी लेकिन पठानकोट एयरबेस पर हमला होने के बाद सब बेकार साबित हुआ। भारत ने स्पष्ट कह दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद पर लगाम नहीं लगाता, उससे कोई बातचीत नहीं होगी। ऐसे में नवाज शरीफ चाहें तो भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू हो सकती है। नवाज को सेना का भी समर्थन रहता है। नवाज और सेना के तालमेल से ही आतंकवाद पर भी लगाम लगाई जा सकती है। नवाज शरफ ने सरकार बनाने के लिए गठबंधन की कवायद शुरू कर दी है।

वहीं इमरान खान के समर्थकों ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है। चुनाव के दौरान इंटरनेट पर रोक लगा दी गई थी। आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में 265 में से 236 पर नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक इमरान खाने के समर्थन वाले उम्मीदवारों ने 100 सीटों पर कब्जा कर लिया है। वहीं पीएमएलएन नवाज ने 71 और पीपीपी ने 50 सीटों के आसपास जीती हैं। इमरान खान की तरफ से भी एक एआई वीडियो जारी किया गया है जिसमें आवाम को शुक्रिया कहा जा रहा है। पाकिस्तान में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में सरकार बनाने के लिए पीपीपी के समर्थन की जरूरत होगी। बताया जाता है कि पाकिस्तान की सेना नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। वहीं बिलावल भुट्टो नवाज शरीफ को पसंद नहीं करते। ऐसे में शहबाज शरीफ फिर से प्रधानमंत्री बन सकते हैं। वहीं जीत का ऐलान करते हुए नवाज शरीफ ने पड़ोसियों के साथ बेहतर रिश्ते की बात कही है। यह संकेत है कि वह भारत के साथ संबंध सुधारना चाहेंगे। हालांकि सरकार में सेना का ज्यादा दखल रहा तो यह काम टेढ़ी खीर साबित होगा।

## आपातकालीन लैंडिंग के दौरान प्लेन ने उड़ा दी कार, दो की मौत

फ्लोरिडा । एक प्लेन की आपातकालीन लैंडिंग के दौरान शुक्रवार दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। इसमें प्लेन ने कार को अपने पंखे की चपेट में ले लिया और कार परखच्चे उड़ गए। हालांकि इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। जानकारी के अनुसार दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा में अंतरराज्यीय 75 पर एक छोटे विमान की आपातकालीन लैंडिंग के दौरान प्लेन एक वाहन से टकरा गया। ये क्रेश लैंडिंग पाइन रिज रोड के एक्जिट के पास हुई। इस गलि को एलीगेटर एली के नाम से जाना जाता है। लोगों का कहना है कि ये हादसा काफी भयानक था। उन्होंने देखा कि प्लेन का एक पंख हवा में उड़ता हुआ आया और अपने साथ एक गाड़ी को उड़ा ले गया। ये बिल्कुल मौत को छू कर निकलने जैसा था। हादसे वाले विमान की पहचान बॉम्बार्डियर चैलेंजर 600 जेट के रूप में हुई है। इस संबंध में फ्लोरिडा के उड्डयन प्रशासन का कहना है कि दोपहर करीब 3ः15 बजे दुर्घटना के समय विमान में पांच लोग सवार थे। विमान ने दोपहर लगभग 1 बजे कोलंबस में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। दुर्घटना के समय यह विमान नेपल्स में उतरने वाला था। एक पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का अनुरोध करते हुए टावर से संपर्क किया था और कहा था कि उनके दोनों इंजन खराब हो गए हैं। टावर से संपर्क टूट गया, और फिर हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने कुछ ही मील की दूरी पर धुंआ देखा। पांच में से तीन लोगों को बाहर निकाल लिया गया। घटना के बाद कोलियर काउंटी शेरिफ प्रशासन का कहना है कि दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है लेकिन अभी इस बात में असमंजस की स्थिती है कि ये दो लोग प्लेन से थे या फिर प्लेन से टकराने वाली कार में थे। फ्लाइटअवेयर विमान ट्रैकर के अनुसार, विमान को फोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा में हॉप-ए-जेट वर्ल्डवाइड चार्टर द्वारा संचालित किया जा रहा था।

## कांगो में बस और ट्रक-टक्कर में गई 18 लोगों की जान

किन्शासा । कांगो की राजधानी किन्शासा में एक सड़क हादसे में 18 लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया ?कि यात्रियों से भरी एक बस ट्रक से टकरा गई है इसके बाद 18 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के संबंध में किन्शासा में किम्बनसेके नगर पालिका के महापौर अनादोलु एनगंगा ने कहा कि एन डिजिली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की ओर जाने वाले राजमार्ग पर यात्रियों से भरी हुई एक बस एक ट्रक से टकरा गई। इसके बाद सभी मृतकों के शवों को पास के अस्पताल के मुर्दाघर में ले जाया गया। इस हादसे में दो लोग घायल भी बताए जा रहे हैं।

## रफह पर आक्रमण से पहले लोगों को निकालने का नेतन्याहू ने दिया आदेश

तेहरान । इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतान्याहू ने गाजा के रफह पर आक्रमण से पहले लोगों को वहां से निकालने का आदेश दिया है। इसके लिए उन्होंने सेना को संभावित इजराइली आक्रमण से पहले वहां से लोगों को निकालने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। मिस्र की सीमा पर स्थित शहर पर आक्रमण करने की इजराइल की योजना की अंतरराष्ट्रीय आलोचना के बाद नेतन्याहू ने शुक्रवार को यह घोषणा की। इजराइल का कहना है कि रफह हमास का आखिरी बचा हुआ गढ़ है और उसे हमास के खिलाफ अपनी युद्ध योजना को पूरा करने के लिए सेना भेजने की जरूरत है। लेकिन अनुमान है कि 15 लाख फलस्तीनी गाजा में अन्यत्र लड़ाई से बचकर शहर में आ गए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि रफह में बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जाने की जरूरत है। पीएम ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा अधिकारियों से एक दोहरी योजना पेश करने के लिए कहा है जिसमें नागरिकों की निकासी और हमास की शेष आतंकवादी इकाइयों को ध्वस्त करने के लिए एक सैन्य अभियान चलाना शामिल बताया जा रहा है।

## विरोध प्रदर्शन में दो लोगों की मौत, छह घायल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि छह लोग घायल हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को पुलिस और राजनीतिक प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों नेबताया कि यह घटना शांगला जिले में हुई जहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि प्रदर्शन में घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया। गौरतलब है कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए विरोध किया गया।

## बाइडेन ने स्कोल्ज से मुलाकात में यूक्रेन फंडिंग, गाजा युद्ध पर चर्चा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ एक मुलाकात में यूक्रेन सहायता के लिए अमेरिकी फंडिंग के मुद्दों और गाजा संघर्ष पर चर्चा की है। व्हाइट हाउस ने प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया, 'श्री बाइडेन और श्री स्कोल्ज़ ने यूक्रेन के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। राष्ट्रपति ने यूक्रेन की आत्मरक्षा में जर्मनी के अनुकरणीय योगदान की सराहना की और चांसलर ने निरंतर अमेरिकी समर्थन के महत्व पर जोर दिया।' दोनों नेताओं ने वाशिंगटन में आगामी उत्तरी अटंलाटिक संधि संगठन (नाटो) नेताओं के शिखर सम्मेलन की योजनाओं पर भी चर्चा की। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री बाइडेन और श्री स्कोल्ज़ ने गाजा युद्ध के कारण मध्य पूर्व में क्षेत्रीय वृद्धि को रोकने के प्रयासों और गाजा में नागरिकों की सुरक्षा की आवश्यकता पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के लिए टिकाऊ शांति की शर्तें तय करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसमें इजरायल की सुरक्षा की गारंटी के साथ फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना शामिल है।

## कर्जदार को प्रताड़ित करने के दोषी भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के 47 वर्षीय व्यक्ति को कर्ज न चुकाने पर एक व्यक्ति को कपड़े उतारने तथा दाढ़ी और बाल मुंडवाने के लिए मजबूर करने के दोष में शुक्रवार को पांच महीने की जेल की सजा सुनायी गयी। नादेसन पिल्लई को सजा सुनाते वक्त जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के आरोप को भी ध्यान में रखा गया। पिल्लई के भारतीय मूल के दो दोस्तों जय शॉन फर्नांडेज और जूड प्रभु दावियास पाथी पर भी आपराधिक धमकी का आरोप लगाया गया है। 'टुडे' समाचार पत्र ने शुक्रवार को बताया कि पिल्लई के एक मित्र ने पीड़ित के साथ इस अपमानजनक कृत्य की वीडियो बना ली थी। अखबार ने पिल्लई के दो दोस्तों पर चले मुकदमे का उल्लेख नहीं किया है। उप लोक अभियोजक (डीपीपी) आंद्रे चोंग ने अदालत को बताया कि पीड़ित ने जय से 400 सिंगापुरी डॉलर उधार लिए थे और पिछले साल 26 मार्च तक उसे 700 सिंगापुर डॉलर देने पर राजी हो गया था। लेकिन उसने केवल 200 सिंगापुरी डॉलर दिए और जय ब्याज बढ़ाता गया जिससे उस पर 13 मई तक करीब 6,000 सिंगापुरी डॉलर का कर्ज चढ़ गया। डीपीपी चोंग ने बताया कि जय ने नादेसन और जूड को उससे तथा पीड़ित से एक बार में मिलने के लिए कहा। तीनों ने बार में पीड़ित से मारपीट की और उसके एक गोदाम में ले गए जहां उसे कपड़े उतारने तथा उठक-बैठक करने के लिए कहा। इसके बाद वे तीनों उसे एक नाई के पास ले गए तथा नाई से उसे गंजा करने तथा उसकी दाढ़ी काटने के लिए कहा। जय ने इस घटना की वीडियो बना ली थी।

## बांग्लादेश में रुलाने लगा प्याज, 120 टका में एक किलो

ढाका। बांग्लादेश में आम आदमी के लिए प्याज खरीदना मुश्किल हो गया है। एक सप्ताह में प्रति किलोग्राम प्याज के मूल्य में 30 टका ( बांग्लादेश की मुद्रा टका है ) का इजाफा हुआ है। भारतीय मुद्रा में एक टका का मूल्य 76 पैसे होता है। इस समय बांग्लादेश में एक किलोग्राम प्याज 120 टका में बिक रहा है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि पिछले सप्ताह रसोई की कई वस्तुओं की कीमत में कमी देखी गई है, लेकिन प्याज की कीमत अनियंत्रित बनी हुई है। पिछले हफ्ते प्याज का मूल्य प्रति किलोग्राम 90 टका था। सात दिन में यह बढ़कर 120 टका हो गया है। ढाका के प्रमुख आलू-प्याज विक्रेता एमडी सलीम का कहना है कि यह सचमुच चिंताजनक है। प्याज की कीमत लगातार बढ़ रही है। पिछले शुक्रवार को उन्होंने एक किलोग्राम प्याज 90 टका में बेची। अब वह 120 टका प्रति किलोग्राम पर बेचने को विवश हैं।

पोलैंड में कीमतें बढ़ने और करों को लगाये जाने के विरोध में प्रदर्शन करते हुए किसान।

## इमरान की बहन ने किया दावा, सेना करा सकती है इमरान का कत्ल

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने दावा किया है कि उनके भाई इमरान की सेना कत्या कर सकती है। उन्होंने कहा कि हमरान खान चुनाव जीत गए हैं, ऐसे में उनकी कभी भी हत्या की जा सकती है। बता दें कि आम चुनाव की मतगणना के बीच जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के परिवार ने बड़ा आरोप लगाया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चीफ की बहन ने बातचीत में कहा कि सेना इमरान की हत्या करना चाहती है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीटीआई जनरल इलेक्शन में दो-तिहाई बहुमत हासिल कर चुकी है। अगर पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के अब तक आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति कुछ इस प्रकार है। नेशनल असेंबली की 250 सीट पर मतगणना पूरी हो चुकी है और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 99 सीट जीती हैं। इनमें से अधिकतर उम्मीदवार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थित हैं। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा ?कि कई मामलों में तो ऐसा हुआ कि इमरान खान के समर्थन वाले कैंडिडेट्स 80 हजार से अधिक वोटों से आगे होने के बावजूद हारे हुए घोषित कर दिए गए। दिनदहाड़े लूट हुई और वोट चुराए गए हैं। नवाज शरीफ की पार्टी 50-60 सीटें ही जीत रही है और इसमें भी चोरी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे एक प्रत्याशी ने लाहौर हाई कोर्ट से स्टे ऑर्डर लिया है। दूसरे उम्मीदवार भी अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पीटीआई चीफ को लेकर अलीमा ने कहा कि अभी तक इमरान खान से उनकी मुलाकात नहीं हुई है। इससे पहले इमरान की हत्या के 2 प्रयास हो चुके हैं।

# पाकिस्तान में पीपीपी, पीएमएल-एन मिलकर बनाएंगे सरकार?

### -इमरान समर्थक उम्मीदवारों ने भी किया बहुमत का दावा, सौ से ज्यादा सांसद जीते

**इस्लामाबाद, (एजेंसी)।** पाकिस्तान में मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की गठबंधन सरकार बनने जा रही है। हालांकि निर्दलीय के तौर पर इमरान की पार्टी पीटीआई समर्थित सौ से ज्यादा सांसदों ने जीत हासिल की है, ऐसे में वह भी अपना दावा जता रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान में मतगणना के दौरान फर्जीवाड़े के भी आरोप लगाए गए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के केंद्र और पंजाब में गठबंधन सरकार बनने जा रही हैं। यह खबर पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ की ओर से पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात के बाद सामने आई है। शहबाज ने पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के आवास पर पीपीपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने कहा कि शहबाज ने जरदारी के साथ भविष्य में सरकार गठन पर चर्चा की और पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का संदेश भी दिया। शहबाज ने दोनों पीपीपी नेताओं से पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए पीएमएल-एन नेतृत्व के साथ सरकार में शामिल होने को कहा।

इधर सूत्रों ने दावा किया कि जरदारी और शहबाज पंजाब और केंद्र में सरकार बनाने पर सहमत हुए हैं। दोनों पार्टियां अगली बैठक में अपने-अपने विचार पेश करेंगी और सत्ता-बंटवारे के फार्मूले के संबंध में सभी मामलों को अंतिम रूप देंगी। बता दें कि पाकिस्तान में अब तक नेशनल असेंबली की 265 में से 244 सीटों के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। इनमें से 96 सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। निर्वाचन आयोग की ओर से परिणाम घोषित करने में देरी करने पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए गए हैं।

मतगणना अब भी जारी है।

हालांकि आम चुनाव में किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला लेकिन इमरान समर्थित निर्दलीयों ने सबसे ज्यादा सीटें जीतीं हैं। कुछ सीटों के नतीजे आने बाकी है लेकिन सबसे ज्यादा 100 सीटें निर्दलीयों ने जीती जिन्हें इमरान समर्थित माना जा रहा है। नवाज शरीफ की पार्टी को 71 सीटें मिली है जबकि सहयोगी पार्टी पीपीपी 53 सीटें जीती। इसी तरह एमक्यूएम चौथी सबसे बडी पार्टी बनी और उसको 17 सीटें मिली। यहां 264 सीटों पर चुनाव हुआ था और बहुमत का आंकडा 134 है। अब सरकार बनाने के लिए नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टों तैयार है। जबकि इमरान खान की पार्टी ने भी कहा कि उनके सबसे ज्यादा सांसद जीते हैं इसलिए वो केंद्र में सरकार बनाएगी।

अब जानकार बता रहे हैं कि चुनावी सफलता के बावजूद, इमरान खान की पार्टी पीटीआई को नुकसान हुआ है। चुनाव आयोग के फैसले के कारण उनका चुनावी चिह्न बल्ला जब्त हो गया था इसलिए अल्पसंख्यक सीटों का कोटा आवंटित नहीं किया जाएगा। दरअसल पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 10 सीटें वहां के अल्पसंख्यकों हिंदुओं और ईसाइयों के लिए आरक्षित रहती हैं। कुल 336 सीटों में से 266 सीटों पर जनता के वोटों के जरिए सीधे चुनाव होता है और बची हुई 70 सीटें रिजर्व होती हैं जिनमें से 10 सीटें अल्पसंख्यकों (हिंदू और ईसाइयों) तथा 60 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व रहती है। इन सीटों का बंटवारा नेशनल असेंबली में जो दल चुनाव जीतकर आते हैं उनकी सीटों के अनुपात में होता है। ऐसे में इमरान को यहां अल्पसंख्यक सीटों का कोटा नहीं मिलेगा है।

# अमेरिका में आए तेज भूकंप के झटके, लोग घरों से बाहर भागे

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के हवाई में तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। कई लोग डर के कारण घरों से बाहर निकले और सड़क पर आ गए। 5.7 की तीब्रता वाले इस भूकंप में राहत की बात ये रही सुनामी जैसा कोई खतरा नहीं है।

यूएसजीएस के मुताबिक भूकंप के ये झटके शुक्रवार की देर रात 11 बजकर 24 मिनट पर महसूस किए गए थे। भूकंप का केंद्र ओक्लाहोमा से 8 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में प्राग में ओक्लाहोमा सिटी से लगभग 57 मील (92 किलोमीटर) पूर्व में केंद्रित था। अमेरिकी भूकंपविज्ञानियों ने बताया कि शुक्रवार को हवाई में जोरदार भूकंप आया, लेकिन सुनामी का कोई खतरा नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि 5.7 तीव्रता का भूकंप हवाई के मुख्य द्वीप पर पाहाला के पास आया, जिसका केंद्र पृथ्वी की सतह से लगभग 37 किलोमीटर (23 मील) नीचे था। एक वेबसाइट ने यूएसजीएस के हवाले से बताया कि भूकंप पूरे मुख्य द्वीप पर महसूस किया गया। एजेंसी ने कहा कि जान-माल के नुकसान की संभावना कम है।

इससे पहले, पिछले हफ्ते ही अमेरिका के ओक्लाहोमा प्रांत में भूकंप आया था। अमेरिका के ओक्लाहोमा में पिछले शुक्रवार रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (यूएसजीएस) के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गयी थी। भूकंप के तेज झटके के बाद अगले कई घंटों तक कम तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए थे। लिंकन काउंटी के उप आपातकालीन प्रबंधन निदेशक चार्लोट ब्राउन के अनुसार भूकंप के कारण किसी के घायल होने की सूचना नहीं है और क्षति न्यूनतम दिखी। भूकंप के झटकों के कारण ज्यादातर वस्तुएं घरों के अंदर अलमारियों से उलट गईं अथवा हिल गईं। चार्लोट ब्राउन ने कहा, ''कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं। बहुत सारे डरे हुए लोगों के अलावा कुछ भी नहीं। बता दें कि विशाल टेक्टोनिक प्लेट के बीच में होने के बावजूद भी हवाई शहर धरती का भूकंपीय रूप से सक्रिय हिस्सा है। यहां किलाउआ सहित 6 सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद हैं। जो कि पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं, जो हेलीकॉप्टर से हवाई के बिग आइलैंड पर इसका नजारा देखने आते हैं। इतना ही नहीं, यह दुनिया के सबसे बड़े ज्वालामुखी मौना लोआ का भी स्थान है। यह ज्वालामुखी साल 2022 में जब फटा था तो एक सप्ताह तक शांत नहीं हुआ था। तब यह चार दशकों में पहली बार फूटा था। तब इसमें से 60 मीटर (200 फीट) ऊंचाई तक लावा के फव्वारे उठे थे, जिससे पिघले हुए लावा की नदियां बहने लगी थीं।

## यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूसी ड्रोन अटैक, 7 लोगों की मौत

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर एक रूसी ड्रोन हमले में रात भर में तीन बच्चों सहित कम से कम सात लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि ईरान निर्मित शहीद ड्रोन ने शहर के नेमिश्लियन जिले में नागरिक बुनियादी ढांचे पर हमला किया, जिससे भीषण आग लग गई और 15 निजी घर जल गए। आंतरिक मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि 50 से अधिक लोगों को निकाला गया है और आपातकालीन कर्मचारियों ने शनिवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया है। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में रूस द्वारा लॉन्च किए गए 31 ईरानी शहीद ड्रोनों में से 23 को नष्ट कर दिया। बयान में कहा गया है कि ड्रोन ने मुख्य रूप से पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र और दक्षिणी प्रांत ओडेसा को निशाना बनाया।

ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रात भर हुए ड्रोन हमलों से वहां चार लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, हमले तीन लहरों में हुए। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने कहा कि रात भर हुए ड्रोन हमलों से वहां चार लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा, हमले तीन लहरों में हुए। सबसे पहले क्षेत्रीय राजधानी - ओडेसा के बंदरगाह शहर को निशाना बनाया गया। सभी नौ ड्रोन मार गिराए गए, लेकिन मलबे से बंदरगाह के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और एक व्यक्ति घायल हो गया। किपर ने कहा कि दूसरी और तीसरी लहरों ने डेन्यूब नदी क्षेत्र में बंदरगाह बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। कुल 12 ड्रोन मार गिराए गए और तीन लोग घायल हो गए। रोमानिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि रूस ने रोमानिया की सीमा के पास यूक्रेन के इस्माइल और रेनी नदी बंदरगाहों पर रात भर ड्रोन हमले किए।

## अमेरिका और जापान ने ताइवान को लेकर क्या किया ऐसा, भड़कते हुए जिनपिंग ने कहा- चुकानी होगी भारी कीमत

**बीजिंग (एजेंसी)।** ताइवान को लेकर संयुक्त अमेरिकी-जापान अभ्यास में दिखावटी संघर्ष की खबरों के बीच टोक्यो में बीजिंग के दूतावास ने कड़ी चेतावनी जारी की है। चीनी दूतावास ने टोक्यो को चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने और चीन के पुनर्मिलन में बाधा डालने के खिलाफ चेतावनी दी। जापानी मीडिया ने बताया कि अमेरिका और जापान ने कीन एज अभ्यास के दौरान पहली बार बीजिंग को काल्पनिक दुश्मन के रूप में दिखाया। चीन ने रिपोर्टों के संबंध में टोक्यो को गंभीर चिंता व्यक्त की है। जबकि जापान ने ड्रिल विवरण की सटीकता से इनकार किया। लंबे समय से चले आ रहे क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर हाल के वर्षों में बीजिंग और टोक्यो के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

अमेरिका और जापान ने इस सप्ताह के अंत में एक संयुक्त कमांड पोस्ट अभ्यास पूरा किया, विश्लेषकों का कहना है कि इसका उद्देश्य चीन से खतरों से निपटने में उनकी क्षमताओं के समन्वय में सुधार करना है। कीन एज 24 कंप्यूटर सिमुलेशन अभ्यास का उद्देश्य ÷संकट या आकस्मिकता की स्थिति में प्रतिक्रियाओं का अभ्यास करना÷ था, यूएस

इंडो-पैसिफिक कमांड ने कहा कि यह अभ्यास 1 फरवरी को शुरू हुआ और गुरुवार को समाप्त हुआ। यह एक वार्षिक द्विपक्षीय अभ्यास का हिस्सा है जो फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास कीन स्वॉर्ड के साथ वैकल्पिक होता है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल ने इस वर्ष पहली बार कीन एज में भाग लिया।

क्योडो न्यूज ने अनाम सरकारी स्त्रोतों का हवाला देते हुए रविवार को बताया कि अमेरिका और जापान ने अपने अभ्यास में पहली बार चीन को पहले इस्तेमाल किए गए अस्थायी नाम के बजाय एक काल्पनिक दुश्मन के रूप में नामित किया। क्योदो ने बताया कि जापानी रक्षा मंत्रालय ने कथित तौर पर अभ्यास परिदृश्यों को देश के गोपनीयता कानून के तहत वर्गीकृत किया है। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मार्टिन माइनर्स ने बुधवार को वीओए की कोरियाई सेवा को बताया कि हम विशिष्ट अभ्यास परिदृश्यों पर चर्चा नहीं करते हैं। विभिन्न संकट और आकस्मिक स्थितियों का जवाब देने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के लिए कीन एज 2024 एक यथार्थवादी प्रशिक्षण वातावरण प्रदान करता है।

# आने वाले वक्त में क्वाड की प्रासंगिकता बढ़ेगी : जयशंकर

**पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि 'क्वाड' (चतुष्कोणीय सुरक्षा संवाद) समूह की प्रासंगिकता बढ़ेगी और यह क्षेत्रीय तथा क्षेत्र से परे राजनीति व नीति में एक बड़ा कारक बनेगा। जयशंकर ने हिंद महासागर सम्मेलन में ऑस्ट्रेलिया की अपने समकक्ष पेनी वोंग के साथ एक चर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं। वह दो दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए हुए हैं। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया वाले 'क्वाड' समूह के बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह समूह प्रमुख शक्तियों की बदलती क्षमताओं और पूरी दुनिया पर उसके असर का परिणाम है। क्वाड का गठन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख से निपटने के लिए 2017 में किया गया था।

जयशंकर ने कहा, ''यह हमारे लिए ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के साथ तीन बहुत महत्वपूर्ण संबंधों को भी दर्शाता है जो शीत युद्ध खत्म होने के बाद बदल गए हैं।'' उन्होंने कहा कि ये चारों देश इस समुद्री क्षेत्र के चार कोनों पर स्थित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ यह भविष्यवाणी कर रहा हूं कि क्वाड की प्रासंगिकता बढ़ेगी और यह वृहद क्षेत्रीय और क्षेत्र से इतर राजनीति और नीति में एक बड़ा कारक बनेगा।'' विदेश मंत्री ने हिंद महासागर के देशों के साथ भारत की साझेदारी के बारे में भी बात की।

जयशंकर ने कहा, ''आज हिंद महासागर के पुनर्निर्माण और उसे पुनः जोड़ने की चुनौती है। आप ऐसा भारत देखने जा रहे हैं जो हिंद महासागर में बहुत गहराई से जुड़ा होगा और बहुत गहरायी से उसमें निवेश करेगाज्हमारा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हिंद महासागर को अतीत की तुलना में आज अधिक जुड़ा हुआ, अधिक निर्बाध और समावेशी बनाया जाए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वे वास्तव में धैर्यपूर्वक और सम्मानपूर्वक इस क्षेत्र का पुनः निर्माण कर सकते हैं।'' ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों के बारे में बात करते हुए जयशंकर ने कहा कि इसके बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम व्यापार व आर्थिक क्षेत्र में और ज्यादा कर सकते हैं।''

जयशंकर ने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को लेकर काफी ''आशावादी'' हैं क्योंकि इसमें असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में द्विपक्षीय मोर्चे पर हमने जो चीजें हासिल की हैं, वह आशावादी होने की वजह देती हैं। जयशंकर ने पर्थ में भारतीय मूल के सैनिक नैन सिंह सैलानी के नाम पर रखे गए सैलानी एवेन्यू का भी दौरा किया। रिकॉर्ड से पता चलता है कि उन्होंने सात फरवरी 1916 को पर्थ में ऑस्ट्रेलियन इम्पीरियल फोर्स में शामिल होने से पहले एक ''मजदूर'' के रूप में काम किया था।

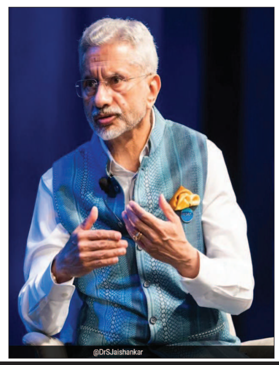

संपादकीय

# बर्ट्रेंड रसेल का दृष्टिकोण

आपने कहा कि अच्छा होता कि हम अपनी धरती ही सुधारते और बेचारे चॉद को अपने भाग्य पर छोड़ देते। इसमें आप आगे बताते है कि अभी तक तो हमारी मूर्खताएँ धरती तक ही सीमित रही हैं। उन्हें ब्रह्माण्ड व्यापी बनाने में मुझे कोई ऐसी बात प्रतीत नहीं होती जो विजयोत्सव मनाने लायक हुई है। हम चन्द्रमा पर पहुँच गए तो क्या ? आगे उन्होंने बहुत मार्मिक बात कही है कि हम इस धरती को ही सुखी नहीं बना पाए तो यह प्रगति हमारी बेमानी है। सचमुच हम प्रकृति की उदारता और उसके मौन संदेश को,काश समझ पाते ।उसके निष्काम त्याग के भाव, हमारे मन की बगिया मे भी कुछ जन्म जाते ।सच मानों, स्वर्ग सी रूबरू तस्वीर धरती के कण-कण मे दृष्टिगत होती । देव भी हमारे इस निष्काम, निस्पृह निष्ठा के आगे अपना सर शान से झुकाते। विशाल ब्रह्मांड का कण कण हमें सीख देता है अपनी उदारता से। धरती माँ हमें सहना सीखाती है पानी,अग्नि ,वायु हमेंमर्यादा में रहना सिखाते हैं ।आकाश हमें विशालकाय छाती रखकर निस्वार्थ भाव से सबका सहयोग करना सिखाता है ।पर्वत हमें गर्व से ऊंचा सिर हो ऐसा करने कीप्रेरणा देता है । फलों से लदी टहनियां हमें विनयपूर्वक झुकना सिखाती है । नदी सदा मिलजुलकर सतत प्रवाहमान रहने कीप्रेरणा देती है , इतना ही नहीं खिड़कियां हमे मन के मेल को दूरकर ज्ञान का प्रकाश भरने की प्रेरणा देती है ।दीवार पर लगी घड़ी हमें समयकी नश्वरता को समझ उसका सदुपयोग करके जीवन सुधारने की प्रेरणा देती है औरभी बहुत सारी जीव और अजीव चीजेँ हमे प्रेरित करती हैं । इस तरह आवश्यक नहीं मेरा और आपका मत रसेल साहब से मिले पर उनके चिन्तन पर हमारा विचार करने के रास्ते तो खुलें।

प्रदीप छाजेड़
( बोरावड़ )

## आज का राशिफल

**मेष** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**वृषभ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती हैं।

**मिथुन** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

**कर्क** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा।

**सिंह** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन हानि की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

**कन्या** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है। व्यर्थ क विवाद में न पड़ें।

**तुला** व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**वृश्चिक** जीवनसाथी का सहयोग व सानिय मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

**धनु** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**मकर** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ के विवाद रहेंगे।

**कुम्भ** आर्थिक उन्नति के योग हैं। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी लेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। रोजी रोजगार की दिशा में उन्नति होगी।

**मीन** व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के कारण तनाव हो सकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। धन लाभ की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

# सर्वधर्म-समभाव मनुष्य होने की पहली शर्त

विश्वनाथ सचदेव

रामधुन गायी हो भले ही न गायी हो किसी ने, पर सुनी तो अवश्य होगी। 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम', यह शब्द कभी न कभी दिल से या मस्तिष्क से टकराये तो होंगे ही। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का प्रिय भजन था यह। बताया जा रहा है कि यह भजन मूलतः पंडित लक्ष्मणाचार्य ने लिखा था और उसमें 'ईश्वर अल्लाह तेरो नाम' वाली पंक्ति नहीं थी। हो सकता है गांधी जी ने यह शब्द जोड़े हों। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इससे न तो मूल भजन की महत्ता कम होती है और न ही मूल भजन के प्रति किसी अवमानना का कोई भाव सामने आता है। कुछ सकारात्मक जुड़ ही रहा है इस पंक्ति से। देखा जाये तो यह 'एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति' का ही एक रूप है। ईश्वर एक है उसे किसी भी नाम से पुकार लो, ध्वनि पहुंचेगी उसी एक जगह जहां वह है। रोज सुबह अपनी प्रार्थना-सभा में ईश्वर अल्लाह तेरे नाम का संदेश देकर गांधी धर्म के नाम पर फैलती या फैलायी जा रही कटुता को समाप्त करने का संदेश ही दे रहे थे। पता नहीं मूल भजन में यह शब्द बापू ने जोड़े थे या किसी और ने पर जिसने भी जोड़े थे उसके प्रति हमें आभार व्यक्त करना चाहिए—इससे भजन को नया आयाम मिला है और जब हम कहते हैं, 'सबको सन्मति दे भगवान' तो इसका सिर्फ एक ही अर्थ निकलता है कि हम संपूर्ण मनुष्य जाति के कल्याण की कामना कर रहे हैं। इसे कोई और अर्थ देने का अथवा कोई और मंतव्य निकालने का मतलब 'एकम् सत्य' की मूल भावना को ही नकारना होगा। ऐसा ही एक मंतव्य हमारे संविधान में दिये गये शब्द 'सेक्युलर' या 'पंथ-निरपेक्ष' का निकालने की कोशिश की जा रही है। कहा यह भी जा रहा है कि यह शब्द मूल संविधान में नहीं था, इसे संविधान में संशोधन करने के बाद जोड़ा गया। सही है यह बात। हमारे संविधान के निर्माताओं ने सेक्युलर या धर्म-निरपेक्ष शब्द जोड़ने से इंकार किया था। संविधान सभा में के.टी. शाह ने एक संशोधन प्रस्ताव रखते हुए 'भारत धर्म-निरपेक्ष, संघीय समाजवादी राज्यों का संघ होगा' शब्द जोड़ने का आग्रह किया था। तब बाबा साहेब अंबेडकर ने यह कहकर प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था कि धर्मनिरपेक्षता संविधान की संरचना में ही निहित है। जवाहरलाल नेहरू ने अंबेडकर की बात से सहमति जतायी थी। संविधान सभा में तब यह भी कहा गया था कि आने वाली पीढ़ियां यदि चाहेंगी तो आवश्यकता के अनुसार शब्द जोड़ सकती हैं। वर्ष 1976 में, आपातकाल के दौरान, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने यही किया था। संविधान के 42वें संशोधन के अनुसार तब संविधान के आमुख में 'पंथनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द जोड़े गये थे। आपातकाल घोषित करने के लिए इंदिरा गांधी को किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता, पर बयालीसवें संशोधन की उपयोगिता को नहीं नकारा जाना चाहिए। सेक्युलरिज्म का यह अर्थ कदापि नहीं है कि सरकार धर्म-विरोधी है। संविधान में इसे जोड़ने का उद्देश्य सिर्फ इस बात को रेखांकित करना है कि देश की सरकार किसी धर्म विशेष को प्रश्रय नहीं देगी। उसकी दृष्टि में सब नागरिक समान हैं, भले ही नागरिक किसी भी धर्म को मानने वाला क्यों न हो। सरकार का कोई धर्म नहीं होगा। सरकार की दृष्टि में सब धर्म समान होंगे का अर्थ सिर्फ यही है कि धर्म-निरपेक्ष भारत में सरकार किसी भी धर्म विशेष के प्रति कोई विशेष आग्रह नहीं रखेगी। सब धर्म समान हैं, सब धर्मों का लक्ष्य एक है। यह लक्ष्य है मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाना। यदि हम इस बात को समझ लेते हैं, स्वीकार कर लेते हैं तो किसी भी भारतीय के प्रति हमारे मन में कोई द्वेष-भाव नहीं पनपेगा। हमारा साझा आंगन होगा, हमारा साझा चूल्हा होगा। यही धर्म-निरपेक्षता है। धर्म-निरपेक्षता का अर्थ धर्म का विरोध नहीं है, सर्व धर्म समभाव है। लोगों को उनकी जाति और धर्म के बावजूद प्यार करना ही धर्म-निरपेक्षता की भावना को समझना है। हमारे लिए यह समझ नयी नहीं है। सच तो यह है कि हमारी समावेशी संस्कृति भी हमें यही संदेश देती है। हाल ही में भारतरत्न से सम्मानित लालकृष्ण आडवाणी ने वर्ष 1998 में संविधान की समीक्षा के संदर्भ में लिखे अपने एक लेख में कहा था, 'सेक्युलरिज्म भारत की संस्कृति में है'। आडवाणी जी तब देश के गृहमंत्री थे। कुछ ऐसी ही बात सन् 2015 में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी कही थी। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा था 'भारत सिर्फ इसलिए सेक्युलर नहीं है, क्योंकि यह हमारे संविधान में है। भारत सेक्युलर है क्योंकि सेक्युलरिज्म हमारे डी.एन.ए में है।' कभी इकबाल ने कहा था, हिंदी हैं हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा'। यहां हिंदी का अर्थ हिंदू नहीं है, हिंदुस्तानी है, भारतीय है। हम चाहे किसी भी धर्म को मानने वाले क्यों न हों, हमारी पूजा-पद्धति चाहे कैसी भी क्यों न हों, हम सब पहले भारतीय हैं। अपने आप को, या किसी को भी मंदिर-मस्जिद अथवा ईश्वर-अल्लाह में बांटकर देखना, सच पूछें तो मनुष्यता के प्रति एक अपराध है। धर्म का यह वैविध्य हमारी विशेषता ही नहीं, हमारी ताकत भी है। इस विविधता को बनाये रखने की आवश्यकता है, इस ताकत को बचाये रखने, इसे और मज़बूत बनाने की आवश्यकता है। सवाल यह है कि यह कैसे हो? इस प्रश्न का उत्तर भी उसी भजन में है जिसे गांधीजी रोज़ सुबह अपनी प्रार्थना-सभा में गाया करते थे- ईश्वर-अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान। इस बात का कोई मतलब नहीं है कि यह शब्द मूल भजन में थे या नहीं। मतलब है तो सिर्फ इस बात से कि यह शब्द, यह भाव, हमें बेहतर मनुष्य बनने की ओर ले जाते हैं। कैसे बनें हम बेहतर मनुष्य? इस प्रश्न का उत्तर भी इसी तथ्य में छिपा है कि हमें मनुष्य बने रहना है। धर्म, जाति, वर्ग, वर्ण के नाम पर मनुष्यता को टुकड़ों में बांटने से तो हम स्वयं इतने बंट जाएंगे कि हमारी पहचान ही खो जायेगी। मनुष्य होने की इस पहचान को जिंदा रखने का अर्थ है उस सत्य को स्वीकार करना, उस बात को समझना कि सत्य एक है, विद्वान उसे अलग-अलग तरीके से समझाते हैं। ईश्वर को अल्लाह या गॉड या भगवान के रूप में बांटना अपने आप को ही बांटना है। आज बंटने की नहीं, जुड़ने की आवश्यकता है। राजनेता इस बात को नहीं समझेंगे। शायद उनके स्वार्थ हमें बांटने से सधते हों। पर हमारा, यानी हर भारतीय नागरिक का हित राजनीति के जंजाल से मुक्त होने में है। हमें सत्ता की राजनीति नहीं, सेवा की राजनीति की आवश्यकता है। आवश्यकता इस बात की भी है कि हम अपने संविधान में अंतर्निहित समानता, न्याय और बंधुत्व के विचारों से जुड़े रहें। संविधान के जिस आमुख में यह तीन शब्द हैं, उन्हीं के साथ सेकुलरिज्म यानी पंथ-निरपेक्षता भी है। सर्व धर्म समभाव की भावना को रेखांकित करने वाला यह शब्द सब धर्मों को आदर की दृष्टि से देखने का संदेश देता है। इस संदेश को समझना ही होगा। मनुष्य बने रहने की शर्त है यह।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# मोदी गारंटी में किये वायदे : परिणाम शत प्रतिशत

(लेखक-निलय श्रीवास्तव)

## मोहन यादव सरकार के 60 दिन

चुनौतियों को संभावना में बदलने वाले राज्य का नाम मध्यप्रदेश है। यह प्रदेश तरक्की और अपेक्षाओं से भरा है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश पहले सपना था लेकिन अब हकीकत बनकर हमारी आँखों के सामने आ चुका है। प्रसंगवश है कि देश में मध्यप्रदेश की प्रशंसा होती है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार इस राज्य की सराहना कर चुके हैं। यहाँ चल रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा विकास कार्यों की वे हमेशा तारिफ करते हैं। जब कभी विकास के मामलों में पिछड़ रहे दूसरे राज्यों में गहरा चिंतन मनन होता है तब मध्यप्रदेश का उदाहरण सबके सामने प्रस्तुत होता है। कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश को रोल मॉडल बनाया जाता है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर सबका विश्वास टिका है। 60 दिन यानि दो माह के छोटे से समय में उन्होंने विकास की गति को थमने नहीं दिया। खुद प्रदेश का भ्रमण कर अफसरों को दिशा- निर्देश देते हैं। सभी देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी में जो वायदे मध्यप्रदेश के लोगों से किये गए थे उन पर तेजी से काम चल रहा है। कुछ के नतीजे भी मिलना शुरु हो गए हैं। शिक्षा, सड़क, महिला सुरक्षा सम्मान तथा धार्मिक सद्भाव हर क्षेत्र में नये-नये प्रयोग किये जा रहे हैं। सरकार के कामों में पारदर्शिता बरकरार है। लगता है प्रदेश के लोगों को भी साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। यह अभिनव प्रयोग सिर्फ मध्यप्रदेश में हो रहा है। मध्यप्रदेश का सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल कितना सुखद और संतोषजनक है यह विगत् 22 जनवरी को देखा गया जब सभी धर्म-सम्प्रदाय के लोगों ने अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा पर उत्सव मनाया। इसी धार्मिक एकता, भाईचारे के लिए मध्यप्रदेश पहचाना जाता है।

मध्यप्रदेश के ओरछा में स्थित श्रीराम राजा मंदिर में 22 जनवरी को एक आकर्षक पूजा कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव भी मौजूद थे। उज्जैन, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर सहित पूरे प्रदेश के मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाकर साज- सज्जा की गयी। प्रभात फेरी तथा कलश यात्रायें निकाली गयीं। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव आस्थावान एवं धर्मप्रेमी हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के इंदौर, उज्जैन और धार जिले में जहाँ- जहाँ भगवान श्री कृष्ण के चरण पड़े हैं वहाँ तीर्थ स्थलों का विकास होगा। इसके अलावा मध्यप्रदेश में श्रीराम वन पथ गमन के विकास की कार्ययोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय भी लिया है। चूकिं डॉ मोहन यादव मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री रहे हैं, वे आरम्भ से ही शिक्षा के क्षेत्र में नये-नये प्रयोग करते आये हैं। उनके प्रयासों का ही सुफल है कि मध्यप्रदेश के स्कूल और महाविद्यालयों में आवश्यक सुविधा और उपकरण जुटायें जा रहे हैं। इस पुनीत कार्य के लिये मध्यप्रदेश सरकार ने अपने खजाने खोल दिये हैं। कक्षा 11 वीं, 12 वीं एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों को 316 करोड़ रुपयों की छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही हैं। इसी तरह आकांक्षा योजना के अंतर्गत कक्षा 11 वीं एवं 12 वीं में अध्ययन के दौरान जे.ई.ई.क्लेट, नीट, आदि राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिये प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थाओं में कोचिंग सुविधा दी जा रही है। महाविद्यालयीन छात्रावास में प्रवेश नहीं मिलने पर उच्च शिक्षा के लिये आवास भत्ता तथा विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना में उच्च शिक्षा के लिये प्रतिवर्ष 50 विद्यार्थियों को लाभांवित करने का लक्ष्य रखा गया है। इतना ही नहीं मध्यप्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये नवीन शिक्षा नीति के तहत् 94 सीएम राइज स्कूल संचालित किये जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश में सड़क निर्माण तथा मरम्मत कार्यों पर भी विशेष ध्यान देकर मध्यप्रदेश का सड़क नेटवर्क देश के दूसरे राज्यों से जोड़ने के भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। प्रसंगवश यहाँ बता दें कि विगत् 30 जनवरी को जबलपुर में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी की विशेष उपस्थिति में 724 किलोमीटर लम्बी 24 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इस काम में अनुमानतरू 10 हजार करोड़ रूपयों से अधिक लागत आयी है। लेकिन इस काम का सुखद पहलु यह है कि मध्यप्रदेश की सीमाओं का आस पास के राज्यों के साथ सुगमता से जुड़ाव हो जायेगा। योजनांतर्गत बड़े पुल, ओव्हर ब्रिज, ब्लेक स्पॉट बनाये जायेंगे। इस पुनीत कार्य के पीछे सरकार का उद्देश्य प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ओरछा, खजुराहो, राष्ट्रीय पेंच टाइगर कारीडोर तक आसान एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में हमारी सरकार सुगम सम्पर्क, तेज विकास, बेहतर सुरक्षा और सबकी समृद्धि सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ नेक्स्ट जनरेशन इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिये लगातार कदम उठा रही है। मोदी जी के यह शब्द निश्चित रूप से मध्यप्रदेश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिये प्रेरित करते रहेंगे। बात सड़क सुधार की हो या शिक्षा, स्वास्थ्य की, विकास का संकल्प लेकर हमें आगे बढ़ना है। जनहित से जुड़े काम यदि समय पर पूरे होते गए तो वह दिन दूर नहीं जब देश के मानचित्र पर मध्यप्रदेश की पहचान पृथक रूप से स्थापित हो जायेगी।

विचार मंथन

# भारत रत्न की चुनावी राजनीति, जख्म या मलहम

(लेखक- सनत जैन)

लोकसभा चुनाव के कुछ माह पहले सरकार ने पांच लोगों को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया है। सरकार ने कर्पूरी ढाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, चौधरी चरण सिंह, नरसिंह राव और एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न की उपाधि से विभूषित करने का निर्णय लिया है। सरकार के इस निर्णय का सभी वर्गों ने स्वागत किया है। उसके बाद भी भारत रत्न जैसी उपाधि को विवादित बनाने और चुनाव में लाभ लेने की दृष्टि से सत्तारूड़ पार्टी द्वारा किया जा रहा है। उसके बाद समझा जा सकता है, चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए जो भारत रत्न दिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी को लाभ पहुंचाने वाले होंगे या नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। कर्पूरी ढाकुर बिहार के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने सत्ता में आने के बाद भी जिस सादगी के साथ जीवन जिया, कमजोर वर्गों को आरक्षण देने का काम किया। ऐसे सीधे सरल और समाजसेवी कर्पूरी ढाकुर को 23 जनवरी, चुनाव के कुछ माह पहले भारत रत्न की उपाधि देकर बिहार और देश के मतदाताओं को साधने का प्रयास किया गया। पूर्व उपमुख्यमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को 3 फरवरी को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में ऊपेक्षित किए जाने से लालकृष्ण आडवाणी नाराज थे। राम भक्तों के बीच वह एक लोकप्रिय चेहरा थे। लालकृष्ण आडवाणी और उनके समर्थकों की नाराजी को दूर करने के लिए उन्हें भारत रत्न की उपाधि से नवाजा गया। 9 फरवरी को पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह जी को भारत रत्न देकर उनके पोते को एनडीए में लाने और किसानों के गुस्से को कम करने के लिए चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहराव को भी भारत रत्न की उपाधि देने के पीछे यह माना जा रहा है, कि आंध्र प्रदेश और दक्षिण की राजनीति मैं भाजपा पेठ बढ़ाने के लिए यह सम्मान दिया गया। स्वामीनाथन की लोकप्रियता, किसानों के बीच चरम पर है। किसानों को साधने के लिए उन्हें भी भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित किया गया है। इन सम्मानों का किसी ने विरोध नहीं किया। इसके बाद भी राजनीतिकरण भी हो गया। भारत रत्न की उपाधि को लोकसभा 2024 के चुनाव के साथ जोड़ा जा रहा है। एमएस स्वामीनाथन को पहले भी तीन सर्वोच्च पुरस्कार मिल चुके हैं। भारत रत्न के रूप में यह उनका चौथा सम्मान है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सभी हस्तियों को सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने की फैसले का स्वागत कर, कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट कर दी। इस सम्मान को लेकर सरकार द्वारा जिस तरह से लोकसभा और राज्यसभा में विवादित मुद्दा बनाया है। ऊसका एक ही उद्देश्य हो सकता है, 2024 के लोकसभा चुनाव में इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाया जा सके। भारतीय जनता पार्टी का यह सोचना आग़ में घी डालने के समान है। चौधरी चरण सिंह किसानों के नेता थे। कृषि के जो तीन कानून बनाए गए थे। उसको लेकर किसानों का एक बड़ा आंदोलन कई महीने तक चला। उसमें सैकड़ो किसानो की मौत हुई। जगह-जगह लाठी चार्ज हुए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के बेटे द्वारा किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी गई थी। जब तीन कानून खत्म किए गए, और किसानों से जो वायदे किए गए थे। उन वायदों को सरकार ने अभी तक पूरा नहीं किया। भारत रत्न की उपाधि से चरण सिंह को सम्मानित किए जाने से, क्या किसानो की नाराजी सरकार से खत्म हो जाएगी। किसानों से किए गए सरकार के वादे पूरे हो जाएंगे? स्वामीनाथन कमेटी की एमएसपी को लेकर जो रिपोर्ट थी। उसमें किसानों को लागत मूल्य के ऊपर 50 फ़ीसदी लाभ दिए जाने की अनुशसा को पूरा करने की मांग किसानों द्वारा की जा रही है। उस संबंध में सरकार द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री को मंत्री मंडल से नहीं हटाया गया। आज भी किसान अपनी मांग को लेकर आंदोलनरत है। ऐसी स्थिति में सरकार ने भारत रत्न की उपाधि से चौधरी चरण सिंह और एमएस स्वामीनाथन को सम्मानित कर एक तरह से किसानों के घाव को कुरेद दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यदि भारतीय जनता पार्टी यह सोच रही है, कि भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने के बाद जनता उनके पक्ष में मतदान करेगी, तो यह दांव उल्टा भी पढ़ सकता है। इसी तरीके से दलित, ओबीसी और पिछड़ी जाति के लोग आरक्षण के प्रतीक कर्पूरी ढाकुर को भारत रत्न का सम्मान देने के बाद, सरकार से अपेक्षा रखते हैं, कि जिस तरह से कर्पूरी ढाकुर ने निर्णय लिए थे। उसी तरह के निर्णय इस सरकार को भी लेना चाहिए थे। जो पिछले 10 सालों के कार्यकाल में नहीं लिए गए हैं। दक्षिण के राज्यों में भी पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव को सम्मानित किए जाने के बाद भाजपा की लोकप्रियता बढ़ेगी, इसमें संदेह है। हां भारत रत्न से सम्मानित कर मतदाताओं की आस को, सरकार ने और बढ़ा दिया है। किसानों और कमजोर वर्गों के बीच में एक बार फिर चरण सिंह, एमएस स्वामीनाथन और कर्पूरी ढाकुर की यादों को ताजा कर दिया है।

गुलाब, लिली, ट्यूलिप... कितने फूलों के नाम जानते हो तुम। लिस्ट बनाने लगोगे तो काफी लंबी हो जाएगी। और हो भी क्यों ना, हमारे देश भारत में कई हजार फूलों की किस्में मिलती हैं। तभी तो बनता है सुंदर गुलदस्ता अपने दोस्त के लिए, टीचर्स के लिए... चलो, बताते हैं इस मौसम में तुम्हारे बाग को सुंदर बनाने में कौन से फूल करेंगे तुम्हारी मदद।

# तुमसे मिलने आए हैं रंग-बिरंगे फूल

### गुलदाउदी के घने फूल

गुलदाउदी के फूल कितने घने लगते हैं ना देखने पर। पतली पतली पत्तियां, इतनी सुंदर बनावट। कौन नहीं लगाना चाहेगा अपने गमले में इसे। इसे लगाने के लिए बड़ा गमला ही उपयोग में लाओ। और एक गमले में चार-पांच पौधे लगाने चाहिए, ताकि गमला भरा रहे। यह बारहमासी सजावटी पौधा है। इसकी लगभग 30 प्रजातियां पाई जाती हैं। तुम्हें जानकर हैरानी होगी कि इस फूल का उपयोग कीटनाशक के तौर पर भी किया जाता है।

क्या है खासियत - गुलदाउदी संसार के सबसे प्रसिद्ध एवं शरद ऋतु में फूलने वाले पौधों में से एक है। यह बहुत से रंगों में पाया जाता है, जैसे लाल, गुलाबी, पीला, बैंगनी और मिले-जुले रंग।

## गुलाब

फूलों की बात हो तो सबसे पहले राजा ही आएगा ना... यानी गुलाब। लाल, सफेद, गुलाबी कितने ही रंगों में खिलने वाला यह फूल अपने आप में ही खास है। खास खुशबू और खूबसूरती के कारण ही ये फूलों का राजा कहलाता है। इसकी लगभग 100 प्रजातियां पाई जाती हैं। इन खूबसूरत फूलों के साथ कांटे भी लगे होते हैं। इसका इंग्लिश नाम रोज फ्रांसीसी शब्द से आया है। गुलाब का पौधा सजावटी पौधे के तौर पर लगाया जाता है। साथ ही इसका व्यापार भी किया जाता है। इससे तैयार होने वाले परफ्यूम की बाजार में बड़ी मांग है।

***क्या है खासियत*** - गुलाब की पत्तियां गुलाब-जल बनाने के लिए भी उपयोग की जाती हैं। तुम्हारे गार्डन में है यह फूल, नहीं तो तैयारी कर लो इसे लगाने की।

## लाल-लाल गुड़हल

पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले इस फूल के बारे में हमारी किताबों में भी पढ़ाई होती है। यह सिर्फ देखने में ही सुंदर नहीं होता, बल्कि यह सेहत का खजाना भी लिए हुए होता है। इसे हिबिसकस या जवाकुसुम भी कहते हैं।

यह विभिन्न रंगों में तो मिलते ही हैं, साथ ही इनका आकार भी कई तरह का होता है। इसकी करीब 200 से 220 प्रजातियां पाई जाती हैं। इस फूल की दो प्रजातियां तो मलेशिया तथा दक्षिण कोरिया का राष्ट्रीय पुष्प भी हैं। गुड़हल की कुछ प्रजातियों को उनके सुन्दर फूलों के लिए उगाया जाता है। नींबू पुदीने आदि की तरह गुड़हल की चाय भी सेहत के लिए अच्छी मानी जाती है। यह फूल सर्दियों में खूब फलता है। इसे भी धूप की आवश्यकता कम ही होती है। हफ्ते में दो बार पानी डालने से भी इसका काम चलता है। तो देर किस बात की, इस सुंदर लाल फूल को तुम घर के बाहर या भीतर गमले में लाकर लगा सकते हो।

***क्या है खासियत***- गुड़हल की एक प्रजाति कनाफ का प्रयोग कागज बनाने में किया जाता है। एक अन्य प्रजाति 'रोजैल' का प्रयोग प्रमुख रूप से कैरेबियाई देशों में सब्जी, चाय और जैम बनाने में किया जाता है।

## खूबसूरत फूल डहेलिया

ज्यादातर बगीचों के लिए यह सबसे जरूरी फूल है। इसके कितनी ही जाति के फूल पाए जाते हैं। डहेलिया बड़े आकार का अनेक रंगों और आकारों में पाया जाने वाला आकर्षक फूल है। इसकी 50,000 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके लिए सामान्य वर्षा वाली ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है। इसके लिए खुली धूप वाली भूमि अच्छी रहती है। इसके फूल बड़े आकार के बनते हैं, जो देखने में काफी आकर्षक होते हैं।

***क्या है खासियत*** - यह लाल, पीला, गुलाबी, बैंगनी, दोहरे रंगों में मिलता है। इसके फूल कई दिनों तक डाल पर बने रहते हैं और काफी बड़े होते हैं। ये जाड़ों का फूल है, इसलिए पानी का ध्यान रखना जरूरी है। और हां, बीच में खाद देनी चाहिए। धूप की जरूरत होती है इसे। इसे अपने गार्डन में जरूर लगाना।

## ट्यूलिप

जैसे ऋतुओं में राजा वसंत होता है, फलों में राजा आम होता है, वैसे ही फूलों में भी राजा होता है। ठंड के फूलों का राजा ट्यूलिप को कहा जाता है। ट्यूलिप काफी खूबसूरत और मनमोहक होता है। इसे देखकर ऐसा लगता है, मानो यह आर्टिफिशियल फूल है। भारत में कश्मीर में और विदेशों में कई जगहों पर व्यापक पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। कश्मीर में तो कई जगहों पर ट्यूलिप के बाग हैं। ट्यूलिप 109 प्रजाति के पाए जाते हैं। दक्षिणी यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और ईरान से इस फूल की उत्पत्ति हुई थी। यह लाल, गुलाबी, पीला, नीला, बैगनी रंगों में पाया जाता है।

## मन को मोह लें पैंसी के फूल

पैंसी के नीले-पीले फूल किसे पसंद नहीं। इनका नीला रंग तो तुम्हें भी पसंद होगा। चार पत्तियों वाले इस फूल के पौधे को ठंडा मौसम बहुत पसंद है। और हां, जब इसमें फूलों की रफ्तार कम हो तो इसे उखाड़ फेंकने की जरूरत नहीं, बल्कि थोड़ी सी देखभाल करो ये दोबारा फूलों से भर जाएंगे। इसकी मिट्टी में हमेशा पानी डाल कर ठंडक बनाए रखो तो ये हमेशा खिल कर तुम्हारे गार्डन को खूबसूरत बनाए रखेंगे। इसकी लंबी शाखाओं की काट-छांट करते रहना चाहिए।

***क्या है खासियत*** - ठंड का मौसम आ गया है। अगर पैंसी नहीं है तुम्हारे गार्डन में तो लगा लो। इन्हें ज्यादा धूप की जरूरत नहीं पड़ती। छाया में ये ज्यादा अच्छी तरह से बढ़ते हैं।

## ऑर्केड

ऑर्केड के फूल कई तरह के होते हैं, जिनके खिलने की उम्र भी अलग-अलग होती है। कुछ एक माह तक, तो कुछ तीन से चार माह तक खिले रह सकते हैं। इनकी खुशबू मनमोहक होती है। कुछ ऑर्केड्स की खुशबू चॉकलेट, नारियल की तरह होती है, तो कुछ फलों जैसी खुशबू देते हैं।

## स्टोकस्टोक

स्टोकस्टोक काफी स्वीट और स्पाइसी सी खुशबू देने वाला फूल है। यह दिखने में काफी आकर्षक लगता है। एक पौधे में एक इंच के डाइमीटर में एक ही फूल होता है। गार्डन सजाने में और बुके में इसका काफी इस्तेमाल किया जाता है। यह सफेद, क्रीम, पीला, गुलाबी, पर्पल, पीच जैसे कई आकर्षक रंगों में पाया जाता है। यह फूल इस मौसम में लगाना चाहिए।

## लिली के फूल के हैं कई रंग

लिली के फूल देखे हैं न तुमने... सुंदर और सफेद, ऑरेंज, पीले और लाल रंग के। ये अगस्त के महीने में खिलते हैं। कुछ वर्ष पहले तक हम गुलाब की कुछ विशेष प्रजातियों का ही निर्यात करते थे, लेकिन अब लिली की प्रजातियां भी भारत में उगाई जा रही हैं। साथ ही इनका बड़ी तादाद में जापान, सऊदी अरब और पाकिस्तान जैसे देशों में निर्यात भी किया जा रहा है। इनके बीज मुख्यत: हॉलैंड से आते हैं। सामान्यत: ये फूल नवंबर तक बाजार में आ जाते हैं और फरवरी तक बाजार में रहते हैं।

***क्या है खासियत*** - इसमें ज्यादा मेहनत की जरूरत नहीं है, क्योंकि किसी भी लोकेशन में ये खिल जाते हैं। ये बीज के द्वारा आसानी से लगाए जा सकते हैं।

## ये भी हैं खास

***गेंदा*** - इसे तो तुम नवम्बर, जनवरी और मई-जून में से किसी भी महीने में लगा सकते हैं। यह बारहमासी पौधा है और इसके पीले फूल सबको आकर्षित करते हैं। इस प्रकार पूरे साल ये तुम्हारे लिए हाजिर रहता है। इस पर मेहनत भी कम लगती है। यह बहुत आसानी से उगाया जाता है। यह एक सजावटी पौधा है। इसकी भी कई किस्में होती हैं, जैसे हजारा गेंदा, मेरी गोल्ड, बनारसी या जाफरानी, जो कि बहुत छोटे फूल देता है।

### बेला से तो दोस्ती होगी तुम्हारी

यह मौसम बेले को अपने घर लाने का उचित समय है। मनमोहक खुशबू वाले सफेद फूलों का यह पौधा लाजवाब होता है। मोती बेला लम्बे पेंडुलम जैसे अधिक समय तक रहने वाले फूल देता है।

### कैंडीटफ्ट से करो फेंसिंग

ठंड के दिनों में आने वाले इन छोटे फूलों की फेंसिंग काफी सुंदर लगती है। नवंबर-दिसंबर इसको लगाने के लिए आदर्श समय है।

### ग्लैडिओलस

इसे स्वोर्ड लिली के नाम से भी जाना जाता है। ये काफी खुशबू वाले फूल हैं, जो गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों में मिलते हैं।

## उपयोग इन फूलों के

खूशबूदार और देखने में सुंदर ये फूल काफी उपयोगी होते हैं हमारे लिए। फ्रेंड के जन्मदिन पर जा रहे हो तो गिफ्ट के तौर पर तुम फूल ले जा सकते हो। इसके अलावा फूलों की खुशबू सबको खुश कर देती है। फूलों से सजने के बाद घर हो या मंदिर काफी सुंदर लगने लगता है। फूल से घर सजाया है कभी तुमने और अपनी दादी और नानी की पूजा के लिए भी फूल लाते ही होगे तुम। गेंदा-गुलाब आदि के फूल तो हमेशा पूजा के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। साथ ही कई फूलों का इस्तेमाल खाने, पीने या दवाओं के काम के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए इन सर्दियों में अपने घर के भीतर और बाहर फूलों वाले पौधे जरूर लगाना।

### सर्दियों के अन्य प्रमुख फूल

सांध्य मालती (पेटुनिया)
रजनीगंधा (ट्यूबेरोज)
ग्लैडिओली
कैलेन्डुला एन्टिरहिनम
एलिसम
डिमोरफोथेका
एसोलिझिया
लार्क्सपर
गजेनियां
गेरबेरा
गोडेतिया
लाइनेरिया
मेसमब्राइन्थेमम
ब्रासिका
मेतुसेरिया
वेरबेना
विओला कारनेशन

# कोई नहीं डॉगी से वफादार

डॉगी पालतू जानवरों में सबसे अच्छे दोस्त साबित होते हैं। धीरे-धीरे ये तुम्हारी पसंद-नापसंद को भी समझने लगते हैं। तुम अगर उदास हो तो इनका मन भी किसी काम में नहीं लगता। लेकिन इसके अलावा भी डॉग्स की कई और खासियतें होती हैं, जिनके बारे में आज तुम्हें बता रहे हैं -

पालतू जानवरों में कुत्ते हमारे सबसे करीब होते हैं, क्योंकि कुत्तों को दोस्ती का हुनर मालूम होता है। ये जितने अच्छे दोस्त होते हैं, उतने ही अच्छे बॉडीगार्ड भी बन जाते हैं। किसी की भी भावनाओं को ये खूब अच्छी तरह समझ पाते हैं। कुत्तों के बारे में ऐसी ही कुछ आश्चर्यजनक बातें भी हैं, जो इन्हें सबसे अलग बनाती हैं। जैसे, कुत्तों के पास किसी खतरे को पहले से ही महसूस कर लेने की क्षमता होती है। अच्छा-बुरा क्या होने वाला है, कुत्ते अपनी हरकतों से बता देते हैं -

शिकार, खेती और सुरक्षा के अलावा कुत्ते विकलांगों को सहायता भी करते हैं। बुलडॉग, जर्मन शेफर्ड, कूली, गोल्डन रीट्राइवर, सेंट बरनार्ड, ग्रेहाउंड, ब्लडहाउंड, चीहुआहुआ, लैब्राडोर, डेन, रोटविलर, बॉक्सर और कॉकर स्पैनियेल समेत कुत्तों की दुनियाभर में सौ से ज्यादा प्रजातियां हैं। इनमें लैब्राडोर सबसे ज्यादा प्रचलित प्रजाति है। लैब्राडोर के सौम्य स्वभाव के चलते इसे सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। लैब्राडोर जितना आज्ञाकारी होता है, उतना चालाक भी होता है। लैब्राडोर की एक और खास बात यह है कि इसमें अथाह ऊर्जा होती है। ये जल्दी थकता नहीं और इसीलिए लैब्राडोर को पुलिस गाइड की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। कुत्तों के सुनने की क्षमता तेज होती है। ये मनुष्यों के मुकाबले चार गुना ज्यादा दूरी से आ रही आवाज को सुन सकते हैं। कुत्तों के सूंघने की क्षमता भी मनुष्यों से कई हजार गुना ज्यादा होती है। कुत्तों की जिंदगी दस से चौदह साल की होती है। पुराने जमाने में मिस्त्र के लोग कुत्तों से इतना प्यार करते थे कि उसके मर जाने पर उनका दाह संस्कार करते थे और पूरे दिन रोते थे। यही नहीं, शोक मनाने के लिए अपनी भौंहें भी हटा देते थे और बालों पर गीली मिट्टी लगाते थे। अंगूर और किसमिस से कुत्तों का पेट खराब हो सकता है। चॉकलेट, पका प्याज या ऐसा कुछ जिसमें कैफीन की मात्रा पाई जाती है, वह कुत्तों की सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। नवजात बच्चा जन्म के वक्त अंधा, बहरा होता है और उसके दांत नहीं होते। बेसेंजी विश्व का एक मात्र ऐसा कुत्ता है, जो कभी भौंकता नहीं है। अमेरिका में सबसे ज्यादा कुत्ते पाए जाते हैं। इस मामले में फ्रांस दूसरे स्थान पर है। मनुष्यों की उंगलियों की तरह कुत्तों की नाक खास होती है। फिंगर प्रिंट से जैसे किसी व्यक्ति को पहचाना जा सकता है, ठीक उसी तरह कुत्तों की नाक की छाप से भी उन्हें पहचाना जा सकता है। कुत्तों की सबसे पुरानी प्रजाति ग्रेहाउंड है। कुत्तों को मीठा बहुत पसंद होता है।

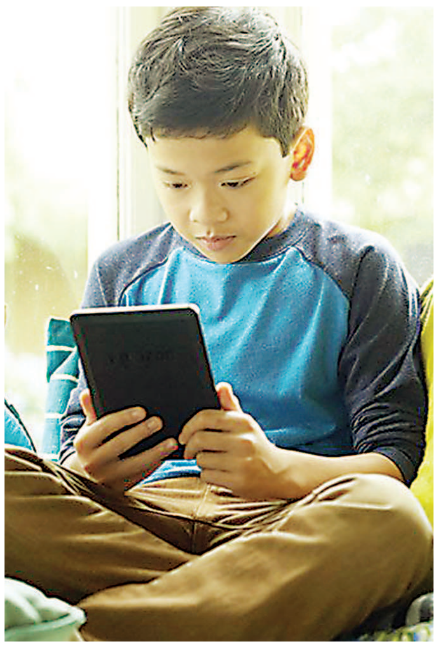

# अंग्रेजी ग्रामर सीखो इस एप से

अंग्रेजी भाषा व्याकरण पर आधारित है। अगर तुम व्याकरण नियमों को ठीक से नहीं समझोगे तो अंग्रेजी लिखने और बोलने में दिक्कत होगी। तुम्हें इन नियमों को विस्तार से समझाने का काम यह एप करता है। यह एप्लिकेशन पॉकेट ग्रामर का काम करेगा। इसका नाम है 'इंग्लिश ग्रामर बुक'।

ग्रामर के सभी सेक्शन एक साथ

इस एप में इंग्लिश ग्रामर के सभी सेक्शन जैसे कि नाउन, प्रोनाउन, वर्ब, एडवर्ब, ऑक्ज्यूलरी वर्ब, प्रेपोजिशन, कंजंक्शन, टेंस आदि के बारे में काफी सरल व सहज तरीके से बताया गया है। इन टॉपिक्स को पढ़ते हुए तुम्हें किसी की मदद लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आसानी से तुम इन्हें समझ पाओगे।

### प्रश्न बैंक करेगा राह आसान

इस एप में अंग्रेजी व्याकरण के सभी टॉपिक्स से संबंधित महत्वपूर्ण सवालों का एक डाटा बैंक दिया गया है। तुम्हें जिस किसी भी सेक्शन के प्रश्नों के बारे में जानकारी चाहिए, उस पर क्लिक करोगे तो तुम्हें उससे संबंधित सभी महत्वपूर्ण सवाल मिल जाएंगे। इन सवालों के नियमित अभ्यास से ग्रामर मजबूत हो जाएगी।

# वैश्विक शेयर बाजारों में तीसरे सप्ताह बढ़त रही

**मुंबई ।**

वैश्विक बाजारों में शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। एसएंडपी 500 ने पहली बार 5,000 अंक के माइलस्टोन को पार किया। इसकी वजह अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने इस साल ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें बताई गई हैं। जबकि अमेरिकी ट्रेजरी की यील्ड में बढ़ोतरी देखी गई। ग्रीनबैक ने पहले की बढ़त को गंवा दिया और 0.06 फीसदी नीचे गिर गया। इजरायल द्वारा हमास के युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद मध्य पूर्व में संघर्ष की चिंताएं बढ़ गई। इससे ऑयल एलसीओसी1 ने इस सप्ताह और बढ़त दर्ज की। शेयर बाजारों का मूड वॉल स्ट्रीट की वजह से जोश भरा रहा। वहां पर एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 5,000 अंक से ऊपर बढ़कर एक नया टैब खोला। इस इंडेक्स को एनवीडिया जैसे मेगाकैप शेयरों में बड़े उछाल से सपोर्ट मिला। नॉर्थ एंडोवर, मैसाचुसेट्स में ब्लू चिप डेली ट्रेंड रिपोर्ट के मुतो बिक 5,000 से अधिक की नई क्लोजिंग ऊंचाई मध्यम से लंबी अवधि के लिए अच्छे संकेत देती है। एक प्रमुख टेक्निकल लेवल क्लियर हो गया है। बहुत मजबूत कॉर्पोरेट आय

नतीजों, मजबूत जॉब डेटा, मजबूत जीडीपी डेटा और गिरती मुद्रास्फीति का कॉम्बिनेशन आगे बढ़ने वाले इक्विटी के लिए एक मजबूत आधार बना रहा है। डेटा रिवीजन ने केंद्रीय बैंक दर में बदलाव की उम्मीदों में कोई बदलाव नहीं किया।

## मैक्स हैल्थकेयर ने एलेक्सिस का अधिग्रहण किया

**नई दिल्ली ।** स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं से जुड़े मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट ने नागपुर स्थित एलेक्सिस मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड का 412 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है। मैक्स हेल्थेकेयर ने एक बयान में कहा कि 200 बिस्तरों वाला यह अस्पताल नागपुर के उत्तरी इलाके मनकापुर में दो एकड़ भूमि पर स्थापित है। इस अस्पताल की बिस्तर क्षमता को जरूरी नियामकीय अनुमोदनों के बाद बढ़ाकर 340 बिस्तर तक किया जा सकता है। मैक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि एलेक्सिस हॉस्पिटल का अधिग्रहण मझोले शहरों में हमारी मौजूदगी का विस्तार करने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि एलेक्सिस हॉस्पिटल के अधिग्रहण से महाराष्ट्र क्षेत्र में कंपनी की उपस्थिति मजबूत होगी।

## एयरटेल पेमेंट बैंक के नए ग्राहकों की संख्या बढ़ी

**नई दिल्ली ।** एयरटेल पेमेंट्स बैंक के मंच पर ऑनलाइन आवेदन करने वाले नए ग्राहकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। एयरटेल पेमेंट बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि अे धिकारी ने भुगतान बैंक के मंच पर अचानक गतिविधियां बढ़ने के पीछे पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) के खिलाफ की गई आरबीआई की सख्ती की भूमिका होने की पुष्टि नहीं की। आरबीआई ने वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के नियंत्रण वाली पीपीबीएल को 29 फरवरी के बाद ग्राहक खातों, वॉलेट्, फास्टैग और अन्य साधनों में जमा या टॉप-अप स्वीकार करना बंद करने का निर्देश दिया है। आरबीआई ने यह कार्रवाई नियामकीय प्रावधानों का लगातार उल्लंघन करने की वजह से की है। अधिकारी ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक के प्रदर्शन और परिचालन पर कहा कि हमारे सभी डिजिटल उत्पाद, चाहे वे सावधि जमा के लिए आवेदन करने वाला ग्राहक हो, चाहे वे बैंक खाते के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले नए ग्राहक हों या फास्टैग के लिए आवेदन करने वाले ग्राहक हों, जनवरी की तुलना में पांच-सात गुना अधिक हैं। ऐसा पिछले कुछ दिनों में हुआ है। बचत बैंक खाते और फास्टैग जैसे डिजिटल उत्पादों के लिए ऑनलाइन आवेदन पिछले कुछ दिनों में कई गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि चाहे जो भी संदर्भ हो, ऐसा लगता है कि बैंक के उत्पादों की खपत बढ़ रही है।

## रिलायंस कंज्यूमर रावलगांव शुगर का कंफेक्शनरी ब्रांड खरीदेगी

**नई दिल्ली ।** रिलायंस कंज्यूमर 27 करोड़ रुपये में रावलगांव शुगर फार्म के कॉफी ब्रेक और पान पसंद जैसे कंफेक्शनरी ब्रांड का अधिग्रहण करेगी। रावलगांव शुगर फार्म के पास मैंगो मूड, कॉफी ब्रेक, टूटी फ्रूटी, पान पसंद, चॉको क्रीम और सुप्रीम जैसे ब्रांड हैं। उसने इस सौदे के तहत इन उत्पादों के ट्रेडमार्क, उत्पादन नुस्खे और सभी बौद्धिक संपदा अधिकार रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) को बेच दिए हैं। आरसीपीएल रिलायंस समूह की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की अनुषंगी है। रावलगांव शुगर फार्म ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने इन ब्रांड के ट्रेडमार्क एवं बौद्धिक संपदा अधिकारों की बिक्री और हस्तांतरण आरसीपीएल को 27 करोड़ रुपये के सौदे में करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि रावलगांव शुगर ने कहा कि प्रस्तावित सौदा पूरा होने के बाद भी संपत्ति, जमीन, संयंत्र, भवन, उपकरण, मशीनरी जैसी अन्य सभी परिसंपत्तियां उसके पास बनी रहेंगी। कंपनी ने कहा कि हाल के वर्षों में उसके लिए अपने कंफेक्शनरी व्यवसाय को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। उसने संगठित और असंगठित दोनों खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के कारण बाजार हिस्सेदारी खो दी है।

## रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का तीसरी तिमाही में घाटा बढ़ा

**मुंबई ।** रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने बताया कि अधिक खर्चों के कारण दिसंबर तिमाही में उसका घाटा बढ़कर 421.17 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की इसी अवधि में उसे 267.46 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। हालांकि कंपनी की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 4,224.64 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,717.09 करोड़ रुपये हो गई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का खर्च बढ़कर 5,068.71 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर बिजली, सड़क, मेट्रो रेल और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग और निर्माण सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

RELIANCE Infrastructure

## पेटीएम की प्रमोटर कंपनी बनाएगी सलाहकार समिति

**- सेबी के पूर्व प्रमुख दामोदरन करेंगे अगुआई**

**मुंबई ।** पेटीएम की प्रवर्तक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के निदेशक मंडल ने कंपनी में कारोबारी प्रशासन को और भी बेहतर एवं मजबूत करने के लिए एक सलाहकार समिति गे ठित करने का फैसला किया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि तीन सदस्यों की इस समिति की अध्यक्षता भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन रह चुके एम दामोदरन करेंगे। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा था कि उसने भी पेटीएम पेमेट्स बैंक द्वारा लगातार नियमों का अनुपालन नहीं किए जाने के कारण कार्रवाई की है और उसमें पेटीएम ऐप का कोई दोष नहीं है। कंपनी ने बताया कि सलाहकार समिति अनुपालन तथा नियामकीय व्यवस्था मजबूत करने के लिए वन97 कम्युनिकेशंस के निदेशक मंडल के साथ मिलकर काम करेगी। समिति में भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के पूर्व अध्यक्ष मुकुंद चितले और आन्ध्रा बैंक के पूर्व चेयरमैन और प्रबंध निदेशक तथा केंद्रीय सतर्कता आयोग के सलाहकार बोर्ड के सदस्य रामचंद्रन राजारामन भी हैं। जरूरत पड़ने पर समिति में और सदस्य भी लिए जाएंगे। वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा` कि कंपनी प्रबंधन नियामकीय और अनुपालन व्यवस्था का पालन करते हुए कारोबार की लगातार वृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने यह कदम पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 1 मार्च से जमा-भुगतान समेत ज्यादातर कामकाज से रोकने के आरबीआई के आदेश के बाद उठाया है। एक खबर के मुतो बिक पेटीएम पेमेंट्स बैंक ने बाहरी ऑडिटरों को नियुक्त करने के लिए आशय पत्र (आरएफपी) जारी किया है। ये ऑडिटर कंपनी की अनुपालन प्रक्रिया की जांच करेंगे। सूत्रों के मुतो बिक नोडल खातों की साझेदारी के लिए पेटीएम और बैंकों के बीच बातचीत जल्द ही पूरी होने वाली है। मगर इन खातों का जिम्मा संभालने के लिए आगे आने वाले बैंकों के नाम अभी पता नहीं चले हैं।

# भारत मोबिलिटी एक्सपो में बजाज ऑटो ने पेश किए भविष्य के वाहन

**नई दिल्ली ।**

बजाज ऑटो नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी एक्सपो में उन वाहनों का एक पूरा स्पेक्ट्रम प्रदर्शित कर रहा है जो न केवल गैसोलीन पर बल्कि इथेनॉल-मिश्रण, सीएनजी और इलेक्ट्रिक जैसे स्वच्छ वैकल्पिक ईंधन पर भी चलते हैं। कंपनी ने कहा कि यह डिस्प्ले विभिन्न ईंधन प्रौद्योगिकी विकल्पों में अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण में कौशल को दर्शाता है जो ग्राहकों की बढ़ती प्राथमिकताओं, नियामकों की जरूरतों और स्थिरता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। डोमिनार 400 अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ टूरर है, जो ब्राजील सहित 35 से अधिक देशों की सड़कों पर चलता है और पर्यटन के शौकीनों को आनंदित करता है। इसका एक प्रकार है जो 27.5 प्रतिशत इथेनॉल-गैसोलीन मिश्रण का उपयोग करता है।

पल्सर एनएस160 फ्लेक्स = यह गेम-चेंजिंग मोटरसाइकिल इथेनॉल और गैसोलीन दोनों पर चलती है। फ्लेक्स-फ्यूल इथेनॉल और

गैसोलीन मिश्रण के संयोजन पर चलने के लिए इंजन की बुद्धिमान क्षमता है जिसे ग्राहक के आदेश पर भिन्न किया जा सकता है।

**चेतक प्रीमियम :** प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर, चेतक, शानदार स्टाइल, शानदार प्रदर्शन, स्मार्ट फीचर्स और एक मजबूत डिजाइन प्रदान करता है, जो पूरी तरह से लाइफप्रूफ के अपने वादे को पूरा करने के लिए संयोजन करता है।

नई इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर पैसेंजर और कार्गो रेंज ग्राहक से वादा करती है, टेक्नोलॉजी नई, भरोसा वही परिवहन का एक भरोसेमंद, शून्य-उत्सर्जन, शोर-मुक्त और अत्यधिक किफायती तरीका जो अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्रदान करता है।

क्यूट सीएनजी : भारत की पहली ऑटो टैक्सी, बजाज क्यूट, यात्रियों के लिए एक 4-सीटर हैचबैक है जो 2 वेरिएंट, एलपीजी और सीएनजी में आती है। गैसोलीन के स्वच्छ और सस्ते विकल्पों पर चलने वाले, बजाज क्यूट में किफायती और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए आकर्षक रूप से कम परिचालन लागत के साथ बेहतर रेंज, हर मौसम के लिए मोनोकॉक बॉडी है।

# मंत्रालय ने बोलियों के मूल्यांकन ढांचे में किए बदलाव

**- परियोजना तैयार करने वालों को कम से कम 5 डीपीआर तैयार करनी होगी**

**नई दिल्ली ।**

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए सलाहकारों द्वारा तैयार योजना के लिए बोलियों के मूल्यांकन ढांचे में बदलाव कर दिया है। नए ढांचे के तहत सलाहकारों द्वारा किए गए पिछले कार्य में अगर कोई खामी है तो उसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जैसी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एजेंसियों द्वारा बोली मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान अनिवार्य तौर पर उजागर किया जाएगा। केंद्र सरकार बोली लगाने वाले परियोजना सलाहकारों द्वारा भेजे गए तकनीकी प्रस्तावों के मूल्य को अब 80 फीसदी भार देगी जबकि पहले यह आंकड़ा 70 फीसदी था। ऐसा नहीं है कि केवल भार में ही बदलाव किया गया है। सरकार ने तकनीकी प्रस्तावों के मूल्यांकन के अन्य घटकों में भी बदलाव किया है ताकि इस क्षेत्र में प्रचलित तमाम खामियों को दूर किया जा सके। परियोजना तैयार करने वालों को अब कम से कम 5 विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करनी होगी। इन डीपीआर को पूर्व अनुभव श्रेणी में प्राथमिकता के आधार पर रखा जाएगा। अब तक उन्हें 3 डीपीआर तैयार करना पड़ती थी। पिछले अनुभव के भार में भी बढ़ोतरी की गई है। पिछली परियोजनाओं में केंद्र को आम तौर पर भूमि अधिग्रहण में देरी का सामना करना पड़ता था। इसकी मुख्य वजह योजनाकारों द्वारा परियोजना पहले की परियोजनाओं में आम तौर पर योजना बनाने में योजनाकारों द्वारा उचित परिश्रम न किए जाने के कारण केंद्र को अक्सर भूमि अधिग्रहण में देरी से जूझना पड़ता था। नए फ्रेमवर्क के मुताबिक सभी बोली का मूल्य जो औसत बोली कीमत का 25 फीसदी या उससे कम है तब उसका वित्तीय स्कोर 100 अंक होगा और इसे बाकी अन्य बोलीदाताओं को दिए गए अंकों के आकलन के लिए एक पैमाने के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। पहले सबसे कम बोली लगाने वाले को 100 अंक देने की अनुमति थी।

## सरकार ने वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े 1.4 लाख मोबाइल नंबर किए ब्लॉक

**नई दिल्ली ।** केंद्र सरकार ने डिजिटल धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए अब तक 1.4 लाख मोबाइल नंबरों को ब्लॉक किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार ये मोबाइल नंबर वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल थे। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने वित्तीय सेवा क्षेत्र में साइबर सुरक्षा पर एक बैठक की अध्यक्षता की। इसमें एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) एकीकरण के जरिए नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली (सीएफसीएफआरएमएस) मंच पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों को शामिल करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बयान के मुताबिक सीएफसीएफआरएमएस मंच को राष्ट्रीय साइबर अपराध सूचना पोर्टल (एनसीआरपी) के साथ जोड़ा जाएगा। इससे पुलिस, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के बीच बेहतर तालमेल कायम हो सकेगा। बयान में कहा गया कि दूरसंचार विभाग ने थोक एसएमएस भेजने वाली 35 लाख प्रधान इकाइयों का विश्लेषण किया। इनमें से दुर्भावनापूर्ण एसएमएस भेजने में शामिल 19,776 इकाइयों को काली सूची में डाल दिया गया है। इस संबंध में 500 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं और लगभग 3.08 लाख सिम ब्लॉक किए गए हैं।

# लैंको अमरकंटक पॉवर अडानी की झोली में

**- दो बड़े समूहों की दूरी बनाए रखने से औद्योगिक जगत को चकित**

**कोरबा**

कोरबा-चांपा मार्ग में स्थापित अपने स्थापना काल से ही लगातार विवादों के केंद्र में रहे कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रहे पॉवर कंपनी लैंको अमरकंटक पॉवर कंपनी की डील पूर्ण होने की अपुस्ट जानकारी मिल रही है।

किसी भी देश की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने में औद्योगिक घरानों की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पॉवर कंपनी के क्षेत्र में अडानी समूह सर्वाधिक सक्रिय औद्योगिक घरानों में इन दिनों ऊंचाई पर है और यही कारण है कि विदेशों में सफलता के लगातार परचम लहराने के साथ ही देश में भी इसकी टक्कर में आगे पीछे 10 पायदान तक कोई दिखाई नहीं देता हैं। देश के पावर सेक्टर में अडानी समूह का वर्चस्व लगातार बढ़ रहा है और इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के कोरबा स्थित लैंको अमरकंटक पॉवर कंपनी को भी इस समूह द्वारा अपने एकाधिकार में ले लिये जाने की अपुस्ट जानकारी मिली है। सूत्रों के अनुसार लैंको के लिए अडानी समूह ने कुल 4,101 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, लेकिन इसकी घोषणा सार्वजनिक रूप से किन

कारणों से सामने नहीं आ पाई है और न ही इस संबंध में अडानी समूह की ओर से कोई बयान नहीं दिया जा रहा है, यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

**- पीछे हटे अन्य समूह**

रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन की भी इस नीलामी की प्रक्रिया में सामने आने की बात आरंभ में सामने आई थी, लेकिन ये दोनों बड़े समूहों का नीलामी की प्रक्रिया से दूरी बनाए रखना औद्योगिक जगत को चकित कर गया। सूत्रों की माने तो इनके अलावा मुकेश अंबानी, वेदांता समुह से अनिल अग्रवाल, नवीन जिंदल भी आरंभिक प्रक्रिया में लैंको को लेकर रूचि दिखा रहे थे।

# सरकारी स्वर्ण बांड का भाव 6,263 रुपये प्रति ग्राम तय

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक बयान में कहा कि सरकारी स्वर्ण बांड सोमवार से पांच दिनों के लिए खुलेगा। स्वर्ण बांड की इस किस्त का निर्गम मूल्य 6,263 रुपये प्रति ग्राम तय किया गया है। सरकारी स्वर्ण बांड योजना 2023-24 श्रृंखला चार इस महीने की 12 से 16 तारीख तक खुली रहेगी। भारत सरकार ने ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को अंकित मूल्य से 50 रुपये प्रति ग्राम की छूट देने का फैसला किया है। आरबीआई ने कहा कि ऐसे निवेशकों के लिए स्वर्ण बांड का निर्गम मूल्य 6,213 रुपये होगा। एसजीबी को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल), भारतीय निपटान निगम लिमिटेड (सीसीआईएल), नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड के माध्यम से बेचा जाएगा। केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की

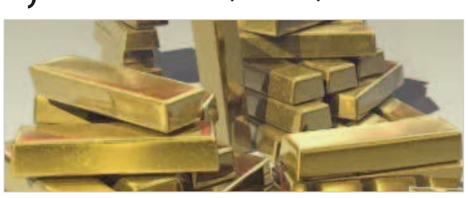

तरफ से स्वर्ण बॉन्ड जारी करता है।

ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार (एचयूएफ), न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। अभिदान की अधिकतम सीमा व्यक्तियों के लिए चार किलोग्राम, एचयूएफ के लिये चार किलोग्राम और न्यासों तथा समान संस्थाओं के लिए 20 किलोग्राम प्रति वित्त वर्ष है। सोने की भौतिक मांग को कम करने के इरादे से सबसे पहले गोल्ड बांड योजना नवंबर, 2015 में लाई गई थी।

# पेट्रोल और डीजल के कुछ शहरों में बढ़े भाव

**नई दिल्ली ।**

कच्चे तेल की कीमतों में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। वै श्विक बाजार में क्रूड 81.90 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ। हालांकि क्रूड की कीमतों में इस बढ़ोतरी का पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिल रहा है। शे निवार को देश के 4 महानगरों में से एक सिर्फ चेन्नई में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली इजाफा हुआ है। इसके अलावा, गुजरात, कर्नाटक, हरियाणा और पंजाब में भी ईंधन का भाव बढ़ गया है। वहीं तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, केरल और हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम हो गई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपये और डीजल 89.66 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

# मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स टर्बो वेलोसिटी एडिशन को लांच किया

**मुंबई ।**

मारुति सुजुकी फ्रोंक्स ने अपनी लांच के 10 महीने के भीतर ही 1 लाख यूनिट्स की सेल का आंकड़ा पार कर लिया था। इसी सफलता को बरकरार रखने के लिए मारुति सुजुकी ने फ्रोंक्स टर्बो वेलोसिटी एडिशन को लांच किया है। नए टर्बो वेलोसिटी एडिशन को डेल्टा प्लस, जेटा और अल्फा वेरिएंट में उतारा गया है। इस नए एडिशन में ग्राहकों को कोई मैकेनिकल चेंज देखने को नहीं मिलेगा।

टर्बो वेलोसिटी एडिशन में कॉस्मेटिक चेंज के लिए 43,000 रुपये की कीमत के 16 कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज मिल सकते है। इसमें स्टाइल और फंक्शन का मिक्स देखने को मिलेगा। ग्राहकों को एक्सेसरीज के तौर पर प्रीमियम डोर वाइजर, फ्रंट बंपर पर पेंटेंड गार्निश, ओआरवीएम कवर, हेडलैम्प और रियर बंपर जैसे एक्सटीरियर स्टाइलिंग किट देखने को मिलने वाले है। दूसरी तरफ इंटीरियर में इसमें रेड डैश डिजाइनर मैट, नेक्सक्रॉस बोर्डो या ब्लैक फिनिश में सीट कवर, एक कार्बन फिनिशिंग स्टाइलिंग किट और 3डी बूट मैट जैसे एक्सेसरीज मिलने वाले है। बिना किसी अतिरिक्त लागत के इन एक्सेसरीज का एड-ऑन टर्बो वेलोसिटी वर्जन को फ्रोंक्स के टर्बो वेरिएंट को कंसीडर करने वालों के लिए ज्यादा अट्रैक्टिव बनाता है।

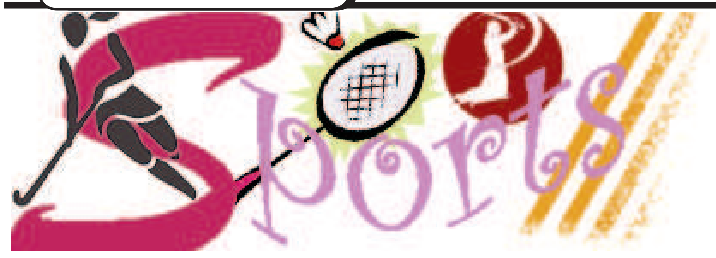


## इंग्लैंड को सफल होने आक्रामक और पारंपरिक शैली में संतुलन लाना होगा : वॉन

**लंदन ।** इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि टीम को भारत में सफल होने के लिए आक्रामक और पारंपरिक क्रिकेट की शैली में संतुलन बनाना होगा। इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज पहले दोनो ही मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। वॉन के अनुसार टीम को आक्रामक रणनीति अपनाने के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट में अच्छी सफलता मिली है पर उसे एशेज सीरीज सहित कुछ मुकाबलों में विफलता का सामना भी करना पड़ा है। वॉन ने कहा, 'अब इंग्लैंड एक ऐसी टीम बन गई है जो कड़े प्रयासों के बाद भी अधिक सफलता नहीं हासिल कर पा ररी है पर उसकी आलोचना नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि बेन स्टोक्स के कप्तान बनने के बाद खिलाड़ियों ने काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि चिंता है कि कहीं वे एक ऐसी टीम न बन जाए जो इतना शानदार करने के बाद भी अधिक मैच जीतने में सफल विफल रहें। जब उन्हें एशेज श्रृंखला जीतनी चाहिए थी तब वे नहीं जीत सके और अब भारतीय टीम सीरीज में वापसी में सफल रही। यह भी तब हुआ जब भारतीय टीम में विराट कोहली समेत कई बड़े खिलाड़ी शामिल नहीं थे। इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में जीत से सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली थी पर टीम दूसरे मैच में भारतीय गेंदबाजों के सामने बिखर गयी गयी।

अंडर-19 विश्वकप

# भारत-ऑस्ट्रेलिया खिताबी मुकाबले में अहम भूमिका निभाने सकते हैं उदय, स्ट्रेकर सहित ये खिलाड़ी

**मुम्बई ।**

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अंडर-19 विश्वकप के खिताबी मुकाबले में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। भारतीय टीम ने अबतक अपने सभी मैच जीते हैं। भारतीय टीम ने ये खिताब पांच बार जीता है। इस बार टीम उदय सहारन की कप्तानी में जीत के आंकड़े को बढ़ाना चाहेगी। भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल का टिकट कटाया है। टीम इंडिया की नजरें अब रिकॉर्ड छठी बार विश्व विजेता जीतना है। उदय की कप्तानी वाली इस भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 2 विकेट से जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को एक विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। दोनों टीमों में कई मैच विजेता खिलाड़ी हैं। भारतीय कप्तान उदय इस समय बेहतरीन फार्म में हैं। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने 6 मैचों में 389 रन बनाए हैं। उदय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने एक शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। अगर

भारत के बल्लेबाज मुशीर खान ने भी अब तक बेहतरीन बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। वह सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं. उन्होंने 6 पारियों में 2 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 338 रन बनाए हैं। मुशीर ने गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के ही सचिन दास ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कठिन हालातों में 96 रन की पारी खेली थी। फाइनल में भी सचिन

इस प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज टॉम स्ट्रेकर ने भी अब तक घातक गेंदबाजी की है। ऐसे में भारतीय टीम को उनसे सावधान रहना होगा। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 6 विकेट लिए थे। स्ट्रेकर ने अंडर 19 विश्व कप में अब तक 12 विकेट लिए हैं। सेमीफाइनल में टीम की जीत में स्ट्रेकर ने अहम भूमिका निभाई थी।

# धोनी ने युवा खिलाड़ियों से कहा सम्मान आपके आचरण से आता है

**मुंबई ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खिलाड़ियों से कहा है कि सम्मान हासिल करने का प्रयास नहीं करें बल्कि इसे अर्जित करें ये आपके आचरण से आता है। धोनी अपनी बेहतरीन कप्तानी के लिए जाने जाते हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय और टी20 विश्वकप के अलावा कई अन्य खिताब भी अपने नाम किये हैं। धोनी ने एक कार्यक्रम में कहा कि निष्ठा का सम्मान से गहरा संबंध है। जब आप ड्रेसिंग रूम की बात करते हो तो जब तक आपको सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ियों का सम्मान नहीं मिलेगा तब तक आपके लिए उनकी निष्ठा हासिल करना कठिन होगा। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि आप क्या कर रहे हो, ये नहीं कि आप क्या बोल रहे हो। आप भले ही कुछ भी नहीं बोलो परन्तु अपना व्यवहार आपको वह सम्मान दिला सकता है। धोनी ने कहा कि एक नेतृत्वकर्ता के लिए यह सम्मान उसके काम से आता है, उसकी बातों से नहीं। उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता था कि एक नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मान हासिल करना अहम है क्योंकि यह कुर्सी या पद के साथ नहीं आता है। यह आपके आचरण से आता है। कई बार लोग असुरक्षित होते हैं। कभी कभी भले ही टीम आप पर विश्वास करती हो पर वास्तव में आप ही पहले व्यक्ति हो जो अपने पर विश्वास नहीं करोगे।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग दबाव पसंद करते हैं और कुछ को यह पसंद नहीं है। कप्तान के लिए एक व्यक्ति की मजबूती और उसकी कमजोरी को समझना अहम है।

## विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास लेंगे वार्नर

**होबार्ट ।** ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है कि वह जून में होने वाले 20 विश्व कप के बाद इस प्रारुप से भी संन्यास ले लेंगे। वार्नर ने टेस्ट और एकदिवसीय से पहले ही संन्यास ले लिया था। इस प्रकार इसी साल वार्नर का क्रिकेट सफर समाप्त हो जाएगा। इस बल्लेबाज ने अपना अंतिम एकदिवसीय मैच भारतीय टीम के खिलाफ गत वर्ष खेला था। वहीं अपना अंतिम टेस्ट पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए इस बल्लेबाज ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद वार्नर ने कहा कि वह आगामी टी20 विश्व कप में इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहते हैं। वार्नर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 36 गेंदों पर 70 रन बनाए थे जिसके कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का इनाम मिला था। वॉर्नर ने मैच के बाद कहा कि अब मैं टी20 विश्व कप खेलना चाहता हूं। वार्नर ने न्यूजीलैंड दौरे सहित आगामी चुनौतियों के लिए तैयारी करते हुए टीम के भीतर गति और एकता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक इकाई के तौर पर खेलने के कारण ही वेस्टइंडीज टीम के जबरस्त प्रदर्शन के बाद भी उनकी टीम जीतने में सफल रही।

# बीसीसीआई ने इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए घोषित की टीम

## जडेजा और राहुल की वापसी, आकाशदीप नया चेहरा , विराट और अय्यर शामिल नहीं

**मुम्बई ।**

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम में जहां ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी हुई है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल नहीं किया गया है। विराट ने जहां निजी कारणों से बचे हुए मैचों के लिए नाम वापस ले लिया है। वहीं अय्यर चोटिल होने के कारण बाहर हुए हैं। टीम में बिहार के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप को पहली बार अवसर मिला है। जडेजा और राहुल को टीम में जगह मिल गयी है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिली है। विराट के बाहर होने के कारण पाटीदार को उनकी जगह बल्लेबाजी का अवसर मिलना तय नजर आता है।

वहीं विराट को लेकर बीसीसीआई ने कहा है कि वह निजी कारणों से सीरीज से बाहर हैं। साथ ही कहा कि बोर्ड उनके इस फैसले का पूरी तरह से सम्मान करता है। साथ ही कहा कि जडेजा और राहुल के खेलने पर फैसला मेडिकल टीम की ओर से फिटनेस का आंकलन किये जाने पर ही लिया जाएगा। वहीं मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर भी टीम से बाहर हो गए हैं। विशाखापत्तन टेस्ट मैच के बाद ही अय्यर की पीठ में जकड़न आ गयी थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से राजकोट में जबकि चौथा टेस्ट 23 फरवरी से रांची में खेला जाएगा। वहीं पांचवां और अंतिम टेस्ट 7 मार्च से धर्मशाला में होगा।

**भारतीय टीम इस प्रकार है:** रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुबमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

संक्षिप्त समाचार

## विराट के सीरीज से बाहर रहने पर बोले स्टेन, परिवार पहली प्राथमिकता

### किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती : चोपड़ा

**नई दिल्ली ।** भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों में नहीं खेल रहे। इस बारे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की घोषणा के बाद दो पूर्व क्रिकेटरों ने अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। इसी को लेकर दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा कि परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता होती है। स्टेन ने कहा कि अगर विराट ने आराम से बैठने और परिवार के साथ कुछ समय बिताने का फैसला किया है तो उन्हें इसमें उन्हें कोई गलती नहीं दिखती है। परिवार आपकी सबसे पहली प्राथमिकता है। स्टेन ने साथ ही कहा कि विराट ने लंबे समय तक देश की सेवा की है। उन्होंने यह भी कहा कि दाएं हाथ के बल्लेबाज ने वह सब कुछ किया है जो एक क्रिकेटर अपने देश के लिए कर सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, वह कई वर्षों से भारत के सेवक रहे हैं। उन्होंने विश्व कप जीता है। उन्होंने सफलता के साथ कप्तानी की है। मुझे नहीं पता कि क्रिकेट की दुनिया में अपने को साबित करने के लिए एक आदमी और क्या कर सकता है। वहीं पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि किसी के आने या जाने से जिंदगी नहीं रुकती। जिंदगी चलती रहनी चाहिए, शो चलते रहना चाहिए। हम कोहली की कमी काफी महसूस कर रहे हैं पर इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वह वहां नहीं हैं तो आप सीरीज हार जाएंगे।

## राजकोट में डेब्यू कर सकते हैं सरफराज

**मुम्बई** भारत ओर इंग्लैंड के बीच 15 फरवरी से राजकोट में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में बल्लेबाज सरफराज खान को डेब्यू का अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि विराट कोहली और श्रेयस अय्यर सीरीज से बाहर हो गये हैं। वहीं केएल राहुल और रवींद्र जडेजा की टीम में वापसी तो हुई है पर उन्हें फिट होने पर ही अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। विराट जहां निजी कारणों से टीम से बाहर है, वहीं अय्यर चोटिल हो गये हैं। अब यदि जसप्रीत बुमराह को राजकोट टेस्ट में यदि आराम मिलता है तो फिर भारतीय टीम अंतिम ग्यारह में इस प्रकार के संयोजन से उतरेगी। अय्यर के बाहर होने से चौथे नंबर पर केएल राहुल उतरेंगे पर यदि राहुल पूरी तरह फिट नहीं होते तो फिर सरफराज का उतरना तय है। वहीं पांचवें नंबर पर रजत पाटीदार उतर सकते हैं। वहीं रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। वहीं तीसरे नंबर पर शुभमन गिल उतरेंगे। दूसरी ओर गेंदबाजी में अगर जसप्रीत बुमराह को अगर आराम मिलता है तो फिर मोहम्मद सिराज को अंतिम ग्याहर में जगह मिलना तय है। सिराज की बाकी बचे 3 टेस्ट मैच के लिए चुनी गई टीम में वापसी हुई है। दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में मुकेश कुमार उतरेंगे। अक्षर पटेल छठे और विकेटकीपर केएस भरत सातवें नंबर पर उतर सकते हैं। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और कुलदीप यादव का खेलना तय है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह : रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, सरफराज खान, रजत पाटीदार, केएस भरत (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और मुकेश कुमार।

# बंगाल से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं आकाशदीप , इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया

**मुम्मई ।**

इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल मध्यम तेज गति के युवा गेंदबाज आकाशदीप टीम में नया चेहरा हैं। आकाशदीप का जन्म बिहार में हुआ है पर वह बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्हें तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह टीम में जगह मिली है। आवेश टीम में बैकअप तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल थे। अब आकाशदीप को टेस्ट में प्रदर्पण का अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम में आकाश के अलावा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार का जन्म भी बिहार में हुआ था पर वह भी बंगाल की ओर से खेलते हैं। दाएं हाथ के गेंदबाज आकाश दीप को इससे पहले सीमित ओवरों के दल में भी जगह मिली थी। उन्हें एशियाई खेलों के अलावा दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भी टीम में रखा गया था पर उन्हें पदार्पण का अवसर नहीं मिला था। बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले आकाशदीप ने हाल में इंडिया ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में अपनी शानदार गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आकाश दीप ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 3 मैचों की गैर आधिकारिक टेस्ट सीरीज में इंडिया ए की ओर से सबसे अधिक 13 विकेट लिए थे। इसके अलावा

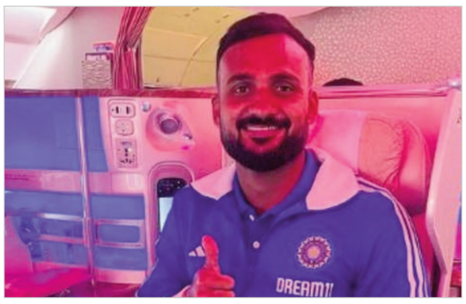


आकाश दीप ने साल 2022 आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ओर से खेला था हालांकि वह तब प्रभावित नहीं कर पाये थे। आईपीएल में अपने पहले सत्र में उन्होंने कप्तान फाफ डुप्लेसी को अपनी गति से काफी प्रभावित किया था। आकाश दीप ने साल 2019 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 29 मैचों में 103 विकेट लिए थे। इसके अलावा वह निचले क्रम में तेजी से बल्लेबाजी के लिए भी जाने जाते हैं।

## टेस्ट सीरीज में कम से कम तीन मैच खेले जाएं : एमसीसी

**केप टाउन ।** मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट की लोकप्रियता को बनाये रखने के लिए किसी भी टेस्ट सीरीज में कम से कम तीन मैच होने चाहिये। एमसीसी ने यहां हुई एक बैठक के बाद विश्व क्रिकेट समिति (डब्ल्यूसीसी) से कहा है कि वह साल 2028 से ही अगले आईसीसी भविष्य दौरा कार्यक्रम के तहत कम से कम तीन टेस्ट मैच खेलने के कार्यक्रम बनाये। इसमें कहा गया था कि सीरीज के परिणाम निकलने के लिए कम से कम तीन मैच होने चाहिये। ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी जो 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। वहीं भारतीय टीम ने भी दिसंबर 2023-जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली थी जो बराबरी पर रही थी। वहीं इसको लेकर डब्ल्यूसीसी ने कहा, यह बैठक ब्रिस्बेन और हैदराबाद में खेले गए दो शानदार पुरुष टेस्ट मैचों के तुरंत बाद हुई, जिसने टेस्ट मैच प्रारूप के प्रशंसकों को उत्साहित किया है। इसके बाद भी उन्हें ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज के बीच दो मैचों की सीरीज के बाद महसूस हुआ की परिणाम के लिए तीसरा मैच होना चाहिये था।

## यशस्वी के पास सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने मौका

### 363 रनों की और जरुरत

**राजकोट ।** भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आजकल शानदार फार्म में चल रहे हैं। यशस्वी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में दोहरा शतक लगाया था। अब उनके पास इस सीरीज में सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने का अवसर है। अब तक ये रिकार्ड विनोद कांबली के नाम है। कांबली ने अपने 12वें टेस्ट की 14वीं पारी में ही 1000 रन बना दिये थे। वहीं यशस्वी ने अबतक भारतीय टीम की ओर से छह टेस्ट मैच खेलकर 637 रन बना लिए हैं। इसमें एक शतक और एक दोहरा शतक शामिल है। यशस्वी का ओवरऑल रिकॉर्ड 6 टेस्ट, 11 पारी, 637 रन है। ऐसे में अगर यशस्वी इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 363 रन और बना लें तो उनके टेस्ट करियर के एक हजार रन पूरे हो जाएंगे। उन्होंने सीरीज के पहले दो मैचों में ही 321 रन बना दिये हैं। ऐसे में उनके लिए बचे हुए 3 मैच में 363 रन बनाना असंभव नहीं है। अब तक सबसे कम पारी में हजार रन बनाने का संयुक्त विश्व रिकॉर्ड हरबर्ट सटफ्लिक और एवर्टन वीक्स के नाम है। इन दोनों ने ही नौवें मैच की 12वीं पारी में अपने एक हजार रन बना लिए थे। वहीं जहां तक सबसे कम टेस्ट मैचों में हजार रन बनाने के रिकॉर्ड की बात करें तो यह उपलब्धि सर डॉन ब्रेडमैन के नाम है। ब्रेडमैन ने 7वें टेस्ट की 13वीं पारी में एक हजार रन पूरे किए थे। वहीं नील हार्वे ने 10 टेस्ट, 14 पारी में ये रन पूरे किये थे। इस मामले में विनोद कांबली पांचवें नंबर पर हैं। वहीं भारत के ही चेतेश्वर पुजारा ने 11वें टेस्ट की 18वीं पारी में अपने एक हजार रन पूरे किए थे।

# नेसर की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वापसी

**कैनबरा ।**

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गेंदबाजी ऑलराउंडर माइकल नेसर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 29 फरवरी से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। सीए ने इस सीरीज के लिए 14 खिलाड़ियों की घोषणा की है। नेसर को इसलिए इस सीरीज के लिए शामिल किया गया है क्योंकि चयनकर्ताओं का मानना है कि वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में सीम-अनुकूल पिचों पर नेसर प्रभावी होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान लांस मॉरिस के घायल होने और झाय रिचर्डसन की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर होने से भी नेसर को शामिल करना जरुरी हो गया था।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, नेसर की टीम में वापसी हुई है। देखना बहुत अच्छा है कि नेसर को लंबे समय से उनके लगातार लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में एक और मौका मिला है। जैसा कि हम जानते हैं कि प्रत्येक टेस्ट डब्ल्यूटीसी अंक को देखते हुए अहम है। ऐसे मे हमें इस दौरे में टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं। यह दौरा एक बहुत मजबूत टीम के खिलाफ एक कठिन चुनौती होगी जो लंबे समय से घरेलू मैदान पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। वहीं तेज गेंदबाज पैट कमिंस एक बार फिर सीरीज के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे।

टीम में कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड, मिशेल स्टार्क और नाथन लियोन जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। वहीं बल्लेबाजी

की जिम्मेदारी स्टीव स्मिथ के साथ सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के पास रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में दूसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर शीर्ष पर आना रहेगा।

## डिविलियर्स ने प्रशंसकों से माफी मांगी, विराट के मामले में मैंने गलत जानकारी दी

**जोहांसबर्ग ।** भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से बाहर होने को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगायी जा रही हैं। वहीं इस मामले को लेकर दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने हाल ही में कहा था कि विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं इसलिए वह अभी खेल से दूरी बनाये हुए हैं और अपने परिवार के साथ हैं। वहीं अब डिविलियर्स ने इस मामले में कहा कि उनसे गलती हो गयी। उन्होंने गलत खबर दे दी। इसलिए वह प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। साथ ही कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस समय विराट कहां पर हैं। डिविलियर्स आईपीएल में विराट की आरसीबी टीम से खेलते थे जिससे कारण उनकी विराट से गहरी दोस्ती है। विराट ने जब शुरुआती दो टेस्ट मैचों से बाहर रहने का फैसला लिया था। तब कहा जा रहा था कि उनकी मां बीमार हैं पर कुछ दिन बाद ही विराट के बड़े भाई ने सोशल मीडिया पर इस खबर को गलत बताया था। उनके भाई का कहना था कि उनकी मां ठीक हैं। इसलिए मीडिया इस प्रकार की आधारहीन खबरें न फैलाये। वहीं कुछ लोगों का कहना था कि विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा प्रेग्नेंट हैं, इस कारण वह नहीं खेल रहे हैं। डिविलियर्स ने कहा, 'निश्चित तौर पर परिवार पहले है। जैसा कि मैंने कहा था। उस समय मुझसे एक बड़ी गलती हो गई थी। मैंने तब गलत जानकारी दे दी थी। किसी को नहीं पता कि विराट इस समय कहां हैं। उम्मीद करता हूं कि विराट शानदार तरीके से मैदान पर वापसी करेंगे। '

# प्रधानमंत्री की आभासी उपस्थिति में मांडवी में 22.88 करोड़ रुपये की लागत से 1552 नवनिर्मित फ्लैटों का उद्घाटन किया गया और 355 फ्लैटों का निर्माण कार्य पूरा हो गया

**सूरत ।**
प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य भर में निर्मित पांच लाख से अधिक पीएम आवासों और लाभार्थियों द्वारा निर्मित बीएलसी आवासों का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी की आभासी उपस्थिति में ई-लोकार्पण किया गया और ई-गृह प्रवेश किया गया। जिसके तहत मांडवी विधानसभा क्षेत्र में 22.88 करोड़ रुपये की लागत से 1552 नवनिर्मित आवासीय इकाइयों और 355 आवासीय इकाइयों का उद्घाटन आदिवासी विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति ने मांडवी के मांडवी नगर पालिका गौंड में किया।

इस अवसर पर आवास पाने वाले लाभार्थियों को बधाई देते हुए जनजातीय राज्य मंत्री ने मांडवी में रहने वाले लोगों को प्रदान की गई सुविधाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश में प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की है। जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग के लोगों का सपना साकार हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि 24 घंटे बिजली के साथ, सरकार ने उद्योग, स्वास्थ्य, रोजगार, शिक्षा, पानी, आवास और खाद्यान्न से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुदूर उत्तर के लोगों तक पहुंचाया है। मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया.

जिला पंचायत उपाध्यक्ष रोहितभाई पटेल ने नए मकान के रूप में उपहार पाने वाले परिवारों को सुख-शांति की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि घर का सपना हर किसी की प्राथमिकता है. महिला लाभार्थियों के नाम पर आवास आवंटन से महिलाओं में आत्मसम्मान की भावना आई है। समय-समय पर क्रियान्वित राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं ने जरूरतमंद नागरिकों के जीवन में खुशहाली ला दी है।

इस अवसर पर जिला ग्राम विकास अभिकरण के निदेशक एमबी प्रजापति ने कहा कि घर बनाना मनुष्य का सपना होता है, वहीं इस सपने को पूरा करने के लिए सरकार सहयोग कर रही है. गुजरात में एक लाख से अधिक मकानों के उद्घाटन और खतमुर्हुत का कार्यक्रम हो रहा है, जबकि सूरत जिले में मांडवी में 1552, मांगरोल में 2171, महुवा में 602, बारडोली में 575, कामरेज-ओलपाड में 40, कुल 4,940 मकान हैं पूरे हो गए हैं।

इस अवसर पर मांडवी तालुका पंचायत के अध्यक्ष श्री दिलीपभाई चौधरी, सोनगढ़ तालुका पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती प्रीतिबेन गमीत, मांडवी नगर निगम के अध्यक्ष श्री निमेश शाह, श्री मांडवी डिप्टी कलेक्टर, श्री मांडवी मामलालतदार, श्री मांडवी तालुका विकास अधिकारी, श्री मदनीश कृषि निदेशक, श्री मांडवी तालुक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रवीन्द्रसिंह सोलंकी, आवास सहित शहर के लाभार्थी उपस्थित थे।

## सूरत जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 6 विधानसभा क्षेत्रों में 6,151 घरों का ई-लोकार्पण

**सूरत ।** शनिवार को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी ने वर्चुअल माध्यम से सभी राज्यों की विधानसभाओं में शामिल कुल 1,31,454 आवासों का ई-लोकार्पण और सीलिंग की, उन्होंने आवास योजनाओं के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद भी किया। इस राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत, सूरत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 6 विधानसभाओं में कुल 6,151 घरों का ई-लॉन्च किया गया।

जिसमें वन और पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल कला और वाणिज्य कॉलेज मैदान, हाथीसा रोड, ऑलपाड में, जनजातीय विकास, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री श्री कुंवरजीभाई हलपति मांडवी के नगरपालिका मैदान में और शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने कामरेज चार रास्ता के पास अवंतिकापुरी सोसायटी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। शुभारंभ एवं ई-गृह प्रवेश। इन कार्यक्रमों में ग्रामीण क्षेत्रों में लाभार्थियों सहित 33170 ग्रामीण एवं नगरवासी उपस्थित थे। कामरेज विधानसभा में 1925 घर, ऑलपाड में 1739 घर, मांडवी में 1552 घर और खतमुहूर्त में 355 घर सहित छह विधानसभाओं में 6151 घरों की ई-लॉन्चिंग पूरी की गई। जिसके माध्यम से 6,151 लोगों को उनके सपनों का घर मिला है।

सूरत के मांडवी विधानसभा क्षेत्र में आने वाले सोनगढ़ तालुका के 692 घरों और सूरत के महवा विधानसभा क्षेत्र में आने वाले तापी के वालोड तालुका के 562 घरों सहित लाभार्थियों के कुल 6,151 घरों को ई-समर्पित किया गया है।

## बारडोली के खरड़-चित्रा गांव के ग्रामीण विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते हुए

**सूरत ।**
केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से विकसित की गई भारत संकल्प यात्रा का रथ सूरत के बारडोली तालुक के खरड़-चित्रा गांव पहुंचा. जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और भारत को विकसित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

विभिन्न विभागीय योजनाओं जैसे पोषण अभियान, पीएम किसान वय योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्मान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती, पशुपालन योजनाओं के बारे में विभिन्न विभागों द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। साथ ही पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये।

इस अवसर पर खरड़-चित्रा गांव में श्री मुकेंद्रभाई एम चौधरी-सी. का. में। एम। पंचायत उपमंडल बारडोली, बारडोली तालुका पंचायत सदस्य श्री सुरेशभाई हलपति, ग्राम सरपंच श्रीमती सुमीबेन शंकरभाई कोलघा और उपसरपंचश्री हेमंतसिंह नटवरसिंह बारड, ग्राम तलाटी-सह-मंत्री, ग्राम नेता, स्वास्थ्य कर्मचारी, मुख्य सेवक श्रीमती संगीताबेन पी। हमेशा की तरह इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, टेडगर, स्कूल शिक्षक और अन्य विभागों के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

## विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते हुए मांडवी तालुक के कोसाडी गांव के ग्रामीण

**सूरत।** केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के मांडवी तालुक के कोसाडी गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ तैयार किया गया. जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत किया और भारत को विकसित बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में ग्रामीणों को तमाम योजनाओं की जानकारी दी गयी. साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार के पोषण अभियान, पीएम किसान वय योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्यमान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती, आई.सी.डी. सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जैसे एस विभाग, पशुपालन के लिए योजनाएं।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। साथ ही पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये.

सरपंचश्री अनिलभाई चौधरी, ग्राम पंचायत सदस्य, चिकित्सा अधिकारी दृष्टिबेन चौधरी, उप तालुका विकास अधिकारी नयनभाई परमार तलाटी सह मंत्री श्री प्रदीपभाई, स्कूल शिक्षक, आधार ऑपरेटर, ग्राम सेवक जीनलबेन चौधरी, अन्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बहनें और सहायिका बहनें, स्वास्थ्य कर्मचारी और अन्य विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में ग्रामीण, हितग्राही उपस्थित थे।

## जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में अरेठ क्षेत्र में चल रही पत्थर खदान की समस्याओं के समाधान के लिए लोगों, खदान मालिकों और अधिकारियों के साथ एक बैठक की गई

**सूरत।**
जनजातीय विकास, श्रम और रोजगार राज्य मंत्री श्री कुंवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में मांडवी प्रांत कार्यालय में अरेथ क्षेत्र में पत्थर खदान के मुद्दों को हल करने के लिए लोगों, खदान मालिकों और अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में राज्य मंत्री श्री कुंवरजीभाई हलपति ने कहा कि मांडवी के अरेथ गांव में पत्थर तोड़ने के लिए पत्थर की खदानें हैं। इन पत्थरों को तोड़ने के लिए किए जाने वाले विस्फोटों से गांव के घरों और खेतों को हुए नुकसान के कारण ग्रामीणों ने पत्थर खदान को बंद करने का प्रस्ताव दिया है, जिसके बाद विभाग की ओर से एक जांच कमेटी का गठन किया गया है, जो खदान स्थल की जांच करेगी। 29 फरवरी तक उत्खनन कर रिपोर्ट सौंपें। उसके बाद उचित कार्रवाई की जायेगी। खदान से अरेठ क्षेत्र के लोगों को नुकसान होने के कारण राज्य मंत्री ने खदान मालिकों को जांच होने तक पत्थर खदान बंद रखने का निर्देश दिया।

इस बैठक में एएसपी श्री निधि ठाकोर, मांडवी प्रांतीय अधिकारी श्री कौशिकभाई जादव, पुलिस उपाधीक्षक श्री बी.के. वनार, सूरत भूस्तर अधिकारी श्री डी. क. पटेल, मांडवी पीआई हेमंत पटेल, मांडवी मालतदारश्री, एलसीबी पीआई श्री आर.बी. भटोड, एसओजी पीआई श्री बी.जी.इशरानी सहित कावोरी मालिक और लोग उपस्थित थे।

## "सथवारो राधेश्याम को" का भव्य आयोजन 18 फरवरी को

**सूरत,**
एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा राधा - कृष्ण लीला पर आधारित कार्यक्रम "सथवारो राधेश्याम को" का भव्य आयोजन रविवार, 18 फरवरी को किया जायेगा। एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट के राष्टीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की वनवासी सेवार्थ इस कार्यक्रम का आयोजन रविवार को शाम छः बजे से पाल स्थित संजीव कुमार ऑडिटोरियम में किया जायेगा। ट्रस्ट के गुजरात प्रान्त के अध्यक्ष रतनलाल दारुका एवं सूरत चैप्टर के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल ने बताया की राधारानी एवं श्रीकृष्ण लीला पर आधारित इस कार्यक्रम की शुरुआत मनमोहक नृत्य, संगीत और भगवान श्रीकृष्ण की श्रृंगार लीलाओं से सुसज्जित 40 से भी अधिक निष्णांत कलाकारों के अभिनय से होगी। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गायकों, संगीत कलाकारों एवं शब्दों के शिल्पकारों द्वारा श्रीकृष्ण भक्ति को जिवंत प्रस्तुत किया जायेगा। ट्रस्ट के सचिव विश्वनाथ सिंघानिया ने बताया की कार्यक्रम का अत्यंत रोचक समापन श्रीनाथजी की जीवन्त झाँकी के अद्भुत दर्शनों द्वारा होगा।

ज्ञात रहे एकल श्रीहरि वनवासी विकास ट्रस्ट द्वारा वनवासी लोगों के उत्थान एवं उनको देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए पुरे भारत में संस्कार केंद्र, एकल रथ मंदिर, कथाकार प्रशिक्षण सहित अनेकों कार्य किये जाते है।

## अहमदाबाद के मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल में बड़े पैमाने पर बदलाव लाने वाले रोबोटिक ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की शुरुआत

**अहमदाबाद ।** मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक्स विभाग ने नई तकनीकी प्रगति को अपनाते हुए, ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी का विकल्प चुनने वाले मरीजों के लिए रोबोट असिस्टेड और बायो-सेंसर की मदद से संचालित ट्रू एलाइन नी रिप्लेसमेंट तकनीक एवं वनडे टीकेआर (टोटल नी रिप्लेसमेंट सर्जरी) की शुरुआत की है। ट्रू एलाइन तकनीक को अस्पताल में आर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम विभाग के प्रमुख, डॉ. दरिया सिंह ने विकसित किया है, जिसमें अंगों तथा प्रोस्थेटिक्स के बिल्कुल सटीक अलाइनमेंट पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अपनी प्रभावशीलता और बेहद कम चीर-फाड़ की जरूरत के कारण इस तकनीक को पूरी दुनिया में सरहना मिली है। दोनों तकनीकों को एक-साथ मिलाकर ऋ-ञ्ञऋ्ञ (रोबोटिक ट्रू एलाइन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट तकनीक) का नाम दिया गया है- जिसमें दोनों तकनीकों के लिए इमेजिंग की प्रक्रियाएँ अलग-अलग हैं। मैरिंगो सीआईएमएस हॉस्पिटल के ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम में एक स्वदेशी, हर कसौटी पर खरा और अच्छी तरह से व्यवस्थित ट्रू एलाइन तकनीक वाला इंटीग्रेटेड रोबोटिक सिस्टम (मेरिल का क्यूविस) उपलब्ध है, जिसका उद्देश्य अलाइनमेंट की सटीकता और शुद्धता में सुधार करना है, ताकि नी रिप्लेसमेंट सर्जरी के परिणामों को बेहतर बनाया जा सके। अस्पताल में और डिस्चार्ज के बाद की निगरानी के लिए बायोसेंसर पर आधारित तकनीक से सर्जरी के बाद मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

अस्पताल जोड़ों से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए सभी चीजों को शामिल करने वाले ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम की पेशकश की जाती है, जिसमें बिना दर्द के चिकित्सा प्रबंधन, न्यूनतम चीर-फाड़ वाली सर्जरी तथा वैश्विक तकनीकी प्रगति के साथ कस्टमाइज्ड रिहैबिलिटेशन प्लान शामिल हैं। ट्रू एलाइन की ताकत को रोबोटिक्स के साथ जोड़कर और वन-डे टीकेआर की प्रक्रिया को लागू करने से मरीज़ बेहद कम समय में ठीक हो जाते हैं, उन्हें ऑपरेशन से पहले और ऑपरेशन के बाद दर्द में कमी का अनुभव होता है, उनके कामकाज की क्षमता बेहतर हो जाती है तथा अधिक संतुष्टि प्राप्त होती है। इस तरह, मरीज़ संभावित तौर पर प्रोस्थेटिक्स की लंबी उम्र के साथ पहले की तरह कामकाज शुरू कर सकते हैं।

ऑर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट प्रोग्राम विभाग के प्रमुख, डॉ. दरिया सिंहकहते हैं, "हमारी टीम में बहुत अधिक कुशल, बेहद अनुभवी, चौबीसों घंटे सेवा के लिए तैयार डॉक्टर, पैरामेडिक्स और सहायक सेवाएँ शामिल हैं। आर्थोपेडिक्स सर्जन के तौर पर, हमने ज्वाइंट रिप्लेसमेंट टेक्नोलॉजी में हुई शानदार प्रगति को अपनाया है। आज के जमाने की ज्वाइंट रिप्लेसमेंट से न केवल फिर से चलना-फिरना सुविधाजनक हो जाता है, बल्कि पहले की तरह सक्रिय और दर्द-मुक्त जीवन जीने का आनंद भी मिलता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )